

बीए के परिणाम पर बवाल, 1316 में 999 छात्राओं को सप्लीमेंट्री

कन्या महाविद्यालय में छात्राओं का हंगामा, 158 को अनुत्तीर्ण करने पर आक्रोश, जताया विरोध

सागर, देशबन्धु। गर्ल्स डिग्री कॉलेज में बीए प्रथम वर्ष की परीक्षा में बड़ी संख्या में छात्राओं के सप्लीमेंट्री और फेल होने के बाद सोमवार को छात्राओं ने कॉलेज के बाहर हंगामा कर दिया, वे धरने पर बैठ गईं। छात्राओं का आरोप है कि इतनी बड़ी संख्या में एक साथ सप्लीमेंट्री आने से परीक्षा परिणाम पर सवाल खड़े हो रहे हैं प्रदर्शन की सूचना पर पुलिस बल मौके पर पहुंचा। जानकारी के अनुसार बीए प्रथम वर्ष में करीब 1316 छात्रायें थी। इनमें से करीब 999 छात्राओं को सप्लीमेंट्री आई है, जबकि 158 छात्रायें फेल हुई हैं। इतनी बड़ी संख्या में छात्राओं को सप्लीमेंट्री आने की जानकारी मिलते ही नाराजगी फैल गई। छात्रायें कॉलेज के बाहर एकत्रित हुईं और धरने पर बैठकर मामले की जांच कराने की मांग की। इसी दौरान प्राचार्य गेट पर आये तो



छात्राओं और उनके साथ आये अभिभावकों ने उन्हें घेर लिया। बहस की स्थिति बनने के बाद प्राचार्य को कैबिन में भेज दिया गया। छात्राओं ने कहा कि उन्होंने तैयारी के

साथ परीक्षा दी थी, लेकिन परिणाम में बड़ी संख्या में छात्राओं को सप्लीमेंट्री आने से वे परेशान हैं। छात्राओं ने कॉलेज प्रबंधन से परिणाम की दोबारा जांच कराने की मांग की। उनका कहना है कि मूल्यांकन में किसी तरह की गड़बड़ी हुई है तो उसे दूर किया जाये। उन्होंने काफियों का पुनर्मूल्यांकन कराने और इसके लिये फीस नहीं लेने की भी मांग की। छात्रायें मांगों को लेकर कलेक्टर कार्यालय पहुंची और ज्ञापन सौंपा। कॉलेज के प्राचार्य आनंद तिवारी ने बताया कि मामले की जांच के लिये टीम गठित कर दी गई है। टीम छात्राओं के परीक्षा परिणाम और संबंधित रिकॉर्ड की जांच करेगी। जांच के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि इतनी बड़ी संख्या में छात्राओं को सप्लीमेंट्री आने के पीछे क्या कारण रहा।

कल वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व में छोड़े जाएंगे 2 चीते

वन्यजीव पर्यटन और स्थानीय रोजगार को मिलेगा बढ़ावा: गोविंद सिंह राजपूत

सागर, देशबन्धु। वन्य प्राणी संरक्षण सप्ताह के समापन अवसर पर 7 अक्टूबर को वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव दो चीतों को छोड़ेंगे। चीतों के आगमन से बुंदेलखंड में वन्यजीव संरक्षण के साथ पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने कहा कि टाइगर रिजर्व में चीतों का आगमन सागर और पूरे बुंदेलखंड के लिये महत्वपूर्ण उपलब्धि है। चीतों की सुरक्षा एवं अनुकूल वातावरण के लिये रिजर्व क्षेत्र में करीब 439 हेक्टेयर क्षेत्र में विशेष व्यवस्थायें विकसित की गई हैं। वन विभाग द्वारा चीतों की निगरानी, सुरक्षा एवं स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखा जायेगा। चीतों के आने से सागर में वन्यजीव पर्यटन को नई पहचान मिल सकती है। पर्यटकों की संख्या बढ़ने से होटल, होम-स्टे, परिवहन, गाइड, स्थानीय व्यवसाय और हस्तशिल्प सहित विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार के अवसर बढ़ने की संभावना है। उन्होंने बताया कि 7 अक्टूबर को मुख्यमंत्री के कार्यक्रम में चीतों को छोड़ने के साथ वन्यजीव संरक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वालों का पुरस्कार वितरण भी किया जायेगा। उन्होंने इसे सागर और बुंदेलखंड के लिये महत्वपूर्ण अवसर बताते हुये कहा कि इससे क्षेत्र में पर्यटन एवं स्थानीय अर्थव्यवस्था को नई गति मिलने की उम्मीद है।

अनिता सिंह राजपूत बर्नी करणी सेना की उछाणी जिलाध्यक्ष

सागर, देशबन्धु। करणी सेना मप्र ने संगठन विस्तार के तहत अनिता सिंह राजपूत निवासी केसली को जिले की छात्राणी इकाई की जिलाध्यक्ष नियुक्त किया है। प्रदेश अध्यक्ष ममता जितेंद्र सिंह सोलंकी द्वारा जारी मनोनयन पत्र में उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। मनोनयन पत्र के अनुसार अनिता सिंह राजपूत का कार्यकाल एक वर्ष रहेगा। संगठन ने उनसे समाज उथ्थान के लिये कार्य करने, करणी सेना के बालर्लॉज के अनुरूप संगठन की गतिविधियों को आगे बढ़ाने तथा संगठन को मजबूत करने में सक्रिय योगदान की अपेक्षा जताई है। बताया गया कि अनिता सिंह राजपूत पूर्व में अपने क्षेत्र में अवैध शराब बित्री के खिलाफ अभियान चला चुकी हैं, जिसमें उन्हें सफलता मिली थी। इसके अलावा वे सामाजिक कार्यों में भी सक्रिय रही हैं। उनके सागर जिलाध्यक्ष नियुक्त होने पर करणी सेना परिवार से जुड़े पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने उत्साह व्यक्त किया। माना जा रहा है कि नई जिम्मेदारी के साथ जिले में संगठनात्मक एवं सामाजिक गतिविधियों को और विस्तार मिलेगा।



देवी मंदिर से चांदी का मुकुट- सोने की बिंदियां चोरी

बांदरी, देशबन्धु। ग्राम पथरिया चिंताई स्थित देवी मंदिर में चोरी का मामला सामने आया है। मंदिर से चांदी का मुकुट, सोने की बिंदियां, तीन सोने की माला, चार चांदी की झूपर सहित अन्य सामान चोरी होने की शिकायत की गई है। मंदिर में लगी करीब 300 मीटर लंबी केबल लाइन भी काटकर ले जाने का आरोप है। चोरी हुये सामान की कीमत करीब 2 लाख रुपये बताई गई है। ग्राम निवासी मनोज गुरु पिता राजकुमार गुरु ने बांदरी थाना प्रभारी को आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की है। आवेदन के अनुसार 25 अगस्त की रात मंदिर में चोरी हुई थी। शिकायतकर्ता ने दीपक पटेल, वीरेंद्र पटेल और कमलेश नाथ तीनों निवासी पथरिया चिंताई पर चोरी में शामिल होने का संदेह जताया है। आवेदन में तीनों के चोरी की बात स्वीकार करने का भी उल्लेख किया गया है। शिकायतकर्ता का आरोप है कि घटना को एक माह से अधिक समय बीतने के बाद भी पुलिस ने मामले में कार्रवाई नहीं की। अब आवेदन देकर चोरी की जांच, सामान बरामद करने और संबंधित लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की गई है। बांदरी थाना प्रभारी सतेंद्र गुर्जर ने बताया कि ग्रामीणों ने तीन संदिग्धों के खिलाफ आवेदन दिया है। टीम भेजकर तीनों से पूछताछ की जायेगी। जल्द ही चोरी का खुलासा किया जायेगा।

पीएम सूर्यधर योजना का शिविर आयोजित

सागर, देशबन्धु। मप्र पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के नगर सभाग सागर में सेवा सेतु अभियान के तहत प्रधानमंत्री सूर्यधर मुफ्त बिजली योजना को लेकर वृहद जागरूकता शिविर आयोजित किया जा रहा है। शिविर का उद्देश्य उपभोक्ताओं को सौर ऊर्जा के उपयोग, ऊर्जा संरक्षण और विद्युत सेवाओं की जानकारी देने के साथ उनकी समस्याओं का समाधान करना है। नगर सभाग के सहायक अभियंता कृष्णा पटेल ने बताया कि शिविर में विशेषज्ञों एवं ऊर्जा विभाग के अधिकारियों द्वारा पीएम सूर्यधर योजना की जानकारी दी जायेगी। इसमें योजना के लिये आवेदन प्रक्रिया, सोलर कनेक्शन पर मिलने वाली सब्सिडी, बैंक ऋण की सुविधा और आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी दी जायेगी। उन्होंने बताया कि शिविर में उपभोक्ताओं को सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने से होने वाली आर्थिक बचत एवं अन्य लाभों के संबंध में भी विस्तार से जानकारी देकर योजना का लाभ लेने के लिये प्रेरित किया जायेगा।

वन विभाग की सक्रियता से वन माफियाओं में हड़कंप

बैलगाड़ी, दोपहिया और चार पहिया वाहन जब्त, 3 दर्जन आरोपियों पर कार्रवाई

केसली, देशबन्धु। वन संपदा की अवैध कटाई और परिवहन के खिलाफ वन विभाग की लगातार कार्रवाई से वन माफियाओं में हड़कंप की स्थिति है। रंजर अभय दुबे के नेतृत्व में वन अमला दिन-रात गश्त कर अवैध गतिविधियों पर नजर रख रहा है। इसी क्रम में चीलगढ़ डूंगरिया से केसली मार्ग पर बीती रात सागीन का अवैध परिवहन करते दो आरोपियों को पकड़ा गया। जानकारी के अनुसार वन अमले ने रात करीब 2.30 बजे सहजपुरी निवासी भूपेंद्र लोधी पिता राजेंद्र लोधी और देवराज लोधी पिता होरालाल लोधी को अलग-अलग मोटरसाइकिलों से सागीन ले जाते हुये पकड़ा। दोनों के खिलाफ वन अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर सागीन की लकड़ी और मोटरसाइकिलों को जब्त कर लिया गया है। इसी तरह एक अन्य कार्रवाई में अवैध रूप से संग्रहित दो नग सागीन जब्त किये गये। मामले में वीरेंद्र विश्वकर्मा के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया गया है। वन विभाग के अनुसार अब तक अभियान के दौरान सागीन के अवैध परिवहन में प्रयुक्त तीन पिकअप, तीन मोटरसाइकिल और तीन बैलगाड़ियां जब्त की जा चुकी हैं। इसके अलावा वन भूमि से अतिक्रमण हटाकर करीब 70 हेक्टेयर वन भूमि मुक्त कराई गई है। कार्रवाई के दौरान एक



ट्रैक्टर भी जब्त किया गया था। वन विभाग के अंतर्गत संचालित फर्नीचर मार्ट की जांच के दौरान सागीन काष्ठ का अवैध संग्रहण पाये जाने पर चार लाइसेंसी दुकानों को सीज किया गया है। वही एक अन्य दुकान को अवैध पाये जाने पर बंद कराया गया। वन विभाग के अधिकारियों के अनुसार वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में अब तक अलग-अलग मामलों में करीब तीन दर्जन आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की जा चुकी है। वन अमले की लगातार गश्त और कार्रवाई के चलते क्षेत्र में अवैध वन गतिविधियों पर अंकुश लगाने के प्रयास जारी हैं। विभाग की टीम वन संपदा के संरक्षण के लिये लगातार निगरानी और कार्रवाई कर रही है।

नशा मुक्त भारत अभियान अंतर्गत वाद-विवाद प्रतियोगिता

देवरीकलां, देशबन्धु। शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय में नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. ओम प्रकाश दुबे के द्वारा विद्यार्थियों के लिये नशे से दूर रहने एवं दूसरों को भी नशे से दूर रखने के लिये जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने वाद-विवाद प्रतियोगिता के माध्यम से अपने विचारों को व्यक्त किया। जिसमें प्रथम सौम्या दांगी बीकॉम तृतीय वर्ष, द्वितीय शांति लोधी बीए प्रथम वर्ष एवं तृतीय स्थान अंजली पटेल बीए प्रथम वर्ष ने प्राप्त किया। कार्यक्रम प्रभारी चंदन सिंह अहिरवार एवं राजेश गिरवाल के अलावा डॉ. आनंद भट्ट, डॉ. भूपेंद्र कुमार, डॉ. नीरज मिश्रा, डॉ. हरिशंकर, प्रेमनारायण साहू एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्रायें उपस्थित रहे।



सागर, देशबन्धु। पं. रविशंकर शुक्ल शास.क.उ.मा.वि में सेवा संकल्प अभियान अंतर्गत डॉ. महेंद्र प्रताप तिवारी के मार्गदर्शन में करियर कार्डसर्लिंग का आयोजन किया गया। जिसका उद्देश्य छात्राओं को कैरियर संबंधी मार्गदर्शन करना था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अनुराग सिंह ऐंदिना ग्रुप ऑफ इंजीनियरिंग कॉलेज से तथा ज्ञान सागर इंजीनियरिंग कॉलेज से पधारे डॉ. तनवीर खान का स्वागत कार्यक्रम

कांग्रेस समन्वय समिति की बैठक में संगठन मजबूती पर जोर



सागर, देशबन्धु। शहर कांग्रेस कमेटी की समन्वय समिति की बैठक जिला शहर कांग्रेस कार्यालय राजीव गांधी भवन में आयोजित की गई। बैठक आयोजन जिला शहर कांग्रेस कमेटी के द्वारा किया गया। बैठक की अध्यक्षता शहर कांग्रेस के अध्यक्ष महेश जाटव ने की। महेश जाटव ने कहा कि कांग्रेस पार्टी कार्यकर्ताओं की पार्टी है। सभी कार्यकर्ताओं को समन्वय बनाकर बृ्ध स्तर तक संगठन को मजबूत करना है। आने वाले समय में कांग्रेस को और अधिक सक्रिय होकर जनता के मुद्दों को उठाना होगा। भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों का हम सबको मिलकर विरोध करना है और कांग्रेस की विचारधारा को घर-घर तक पहुंचाना है। त्रिलोकी नाथ कटारे ने कहा कि संगठन सर्वोपरि है। शहर कांग्रेस पूरी निष्ठा और एकजुटता के साथ काम कर रही है।

समन्वय समिति के माध्यम से सभी वरिष्ठजनों और युवा साथियों को साथ लेकर हम सागर शहर में कांग्रेस को नई ऊर्जा देंगे। सभी वार्डों में बैठकें और जनसंपर्क अभियान और तेज किया जायेगा। अमित रामजी दुबे ने कहा कि सागर कांग्रेस में अपार संभावनाये हैं। हमें जनता के बीच जाकर उनकी समस्याओं को सुनना और उनका निराकरण करना है। महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार के मुद्दे पर कांग्रेस सड़क से सदन तक लड़ाई लड़ेगी। कार्यकर्ता ही हमारी ताकत हैं। बैठक का संचालन ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष नरेंद्र मिश्रा और आभार हेमराज रजक ने व्यक्त किया। बैठक में जगदीश यादव, सागर साहू, डॉ. किरणलता मिश्रा, सिंदूर कटारे, निलेश अहिरवार, दीनदयाल तिवारी, महेश यादव, संजय सरफा सहित वरिष्ठ कांग्रेस जन उपस्थित थे।

काम में लापरवाही पर कलेक्टर ने दिये अधिकारियों पर पेनल्टी और वेतन रोकने के निर्देश



सागर, देशबन्धु। कलेक्टर प्रतिभा पाल की अध्यक्षता में सोमवार को समय सीमा बैठक आयोजित हुई। बैठक में लंबित प्रकरणों, जनशिकायतों, स्वास्थ्य सेवाओं एवं भू.अर्जन मामलों की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने कार्य में लापरवाही और बिना कारण प्रकरण लंबित रखने वाले अधिकारियों के विरुद्ध पेनल्टी एवं अनुशासनात्मक कार्रवाई के निर्देश दिये। कलेक्टर ने जन विश्वास अभियान शुरू होने से पहले सभी लंबित शिकायतों का संतुष्टिपूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने को कहा। 50 एवं 100 दिन से अधिक

समय से लंबित मामलों पर नाराजगी जताते हुये संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई के निर्देश दिये। एमपीईबी, सामाजिक न्याय तथा योजना एवं सांख्यिकी विभाग के अधिकारियों पर पेनल्टी लगाने के निर्देश दिये। भू.अर्जन प्रकरणों में लापरवाही पर तहसीलदार बंडा का आगामी आदेश तक वेतन रोकने तथा नोटिस जारी करने के निर्देश दिये। बंडा नगरीय निकाय में निर्माण कार्यो एवं विभिन्न योजनाओं के क्रियाव्ययन की जांच के लिये समिति गठित कर 15 दिन में रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा। राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम में लापरवाही पर जिला टीबी अधिकारी डॉ. कुरैशी का वेतन आगामी आदेश तक रोकने के निर्देश दिये। खुरई एवं बीना बीएमओ का वेतन भी रोकने के निर्देश दिये। वही जन्नी सुरक्षा योजना के भुगतान में देरी पर राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के एकाउंट मैनेजर को कारण बताओ नोटिस जारी कर सेवा से पृथक करने की प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने

घर पर प्रसव के बाद प्रसूतिका की मौत, स्वास्थ्य विभाग ने शुरू की जांच

सीएमएचओ ने बीएमओ सहित 108 एंबुलेंस से जुड़े जिम्मेदारों को नोटिस जारी

मालथौन, देशबन्धु।

ब्लॉक के ग्राम नोनिया में घर पर प्रसव के बाद आदिवासी महिला ललिता की मौत के मामले में स्वास्थ्य विभाग ने जांच शुरू कर दी है। मामले में सीएमएचओ की ओर से बीएमओ, 108 एंबुलेंस से जुड़े जिम्मेदारों सहित अन्य संबंधितों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। जिला स्तर से गठित जांच टीम ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बरोदिया कलां और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मालथौन पहुंचकर प्रसूतिका से संबंधित रिकॉर्ड की जांच की। टीम ने संबंधित नर्स एवं डॉक्टरों के बयान दर्ज किये हैं। परिजनों के अनुसार प्रसव पीड़ा से पहले पेट दर्द की शिकायत होने पर ललिता को शाम के समय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बरोदिया कलां ले जाया गया था। परिजनों का आरोप



है कि वहां प्रसव में करीब दो माह का समय बताते हुये उसे वापस भेज दिया गया। अगले दिन महिला का घर पर ही प्रसव हुआ। इसके बाद हालत बिगड़ने पर परिजनों ने 108 एंबुलेंस को फोन किया, लेकिन उनके अनुसार एंबुलेंस करीब पांच घंटे बाद पहुंची। इस दौरान महिला की मौत हो गई। परिजन मृतिका और नवजात को लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे। जिला स्वास्थ्य अधिकारी देवेश पटैरिया ने बताया कि मामले की जांच जारी है। समाचारों में सामने आये बिंदुओं के आधार पर संबंधित स्वास्थ्यकर्मियों के बयान और उपलब्ध रिकॉर्ड की जांच की जा रही है। विभागीय जांच पूरी होने के बाद ही किसी प्रकार की लापरवाही अथवा जिम्मेदारी के संबंध में स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

युवक पर डंडे से सिर पर हमला, जान से मारने की धमकी का आरोप

खुरई, देशबन्धु। देहात थाना क्षेत्र के सिलगांव में रविवार रात राजकुमार अहिरवार 35 पर डंडे से हमला कर दिया गया। युवक के अनुसार वह पानी की टंकी के पास घूम रहे थे, तभी गांव के संजू कुर्मी ने उन पर डंडे से हमला कर दिया। आरोपी ने गालियां देने के साथ जान से मारने की धमकी भी दी। युवक ने पुलिस को बताया कि आरोपी ने डंडे से उनके दाहिने कान के पास, सिर के पीछे और दाहिने हाथ की कलाई पर वार किये। हमले में उन्हें चोटें आईं और खून निकलने लगा। युवक के चिखाने की आवाज सुनकर पत्नी पावती अहिरवार, बेटा मोहित, बेटी खुशी और चाचा का बेटा अविनाश मौके पर पहुंचे। परिजनों को आता देखकर आरोपी वहां से भाग गया। घायल युवक को सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने संजू कुर्मी के खिलाफ मारपीट, धमकी और एससी-एसटी एक्ट की धाराओं में मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

नामदेव समाज ने किया मंत्री को महायज्ञ में किया आमंत्रित



सागर, देशबन्धु। कैबिनेट मंत्री गोविन्द राजपूत को 2 फरवरी मे होने वाले कार्यक्रम का मुख्य अतिथि बनाने हेतु आमंत्रित किया। नामदेव समाज के प्रदेश उपाध्यक्ष राहुल नामदेव ने बताया की खिमलासा में 151 महारूढ़ कुंडीय यज्ञ जो 2 फरवरी को झंडा वादन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया जायेगा जिसमें समाज बंधुओं का सम्मेलन किया जायेगा जो की ऐतिहासिक रहेगा। खिमलासा समाज अध्यक्ष हरिनारायण नामदेव ने बताया कि यह कार्यक्रम समाज बंधुओं द्वारा 151 महारूढ़ यज्ञ प्रारंभ होगा। जो करीब 10 दिन चलेगा जो की लगातार 35 वर्षों से किया जा रहा हैं। जिसमे आस पास एवं 8 विधानसभा के समाजिक बन्धुयों की सहभागिता होगी। आमंत्रित करने वालो मे शोभाराम नामदेव, नामदेव विकास परिषद जिलाध्यक्ष शुभम नामदेव जिला महामंत्री नीलेश नामदेव प्रियांश, दीपक, भूपेंद्र, उदय आदि उपस्थित रहे।

सेना भर्ती रैली के पांचवें दिन 540 अभ्यर्थी दौड़ में सफल



सागर, देशबन्धु। सेना भर्ती कार्यालय ग्वालियर द्वारा इंदिरा गांधी इंजीनियरिंग कॉलेज में आयोजित वार्षिक अग्निवीर भर्ती रैली के पांचवें दिन 851 अभ्यर्थियों ने उपस्थिति दर्ज कराई, जिनमें 540 अभ्यर्थियों ने दौड़ में सफलता हासिल की।। से 14 अक्टूबर तक चलने वाली भर्ती प्रक्रिया में युवा उत्साह और अनुशासन के साथ भाग ले रहे हैं। दौड़ में सफल अभ्यर्थियों का बायोमेट्रिक सत्यापन एवं दस्तावेजों की जांच की जा रही है। इसके बाद शारीरिक प्रवीणता परीक्षण, शारीरिक मापदर्द और मेडिकल जांच की प्रक्रिया होगी। जिला प्रशासन एवं सेना भर्ती कार्यालय द्वारा भर्ती प्रक्रिया को पारदर्शी एवं सुरक्षित तरीके से संपन्न कराया जा रहा है। सेना भर्ती कार्यालय ने अभ्यर्थियों से अपील की है कि भर्ती पूरी तरह योग्यता के आधार पर होती है। अभ्यर्थी दलालों या अनधिकृत व्यक्तियों के बहकावे में न आयें और किसी भी प्रकार के अनुचित साधन का उपयोग न करें।

आंगनबाड़ी केन्द्र में किया सामग्री का वितरण

देवरी, देशबन्धु। शास. नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत एवं महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. ओम प्रकाश दुबे के निर्देशन में नगर के आंगनबाड़ी केन्द्रों में सामग्री का वितरण किया गया। जिसमें महाविद्यालय के नजदीकी आंगनबाड़ी केन्द्र में गर्भवती महिलाओं, धात्री माताओं एवं छोटे बच्चों के लिये पोषण किट, स्वच्छता किट, फल, बिस्किट एवं शैक्षणिक सामग्री का वितरण किया गया। इस अवसर पर सेवा संकल्प अभियान प्रभारी डॉ. जीआर चौहान, एनएसएस अधिकारी शिवलाल अहिरवार, डॉ. मनोज कुमार मिश्रा, विनोद सोनी, प्रेमनारायण साहू एवं एनसीसी, एनएसएस के विद्यार्थी उपस्थित रहे।



सागर, मंगलवार, 6 अक्टूबर 2026

संस्थापक-संपादक : स्‍व. माधाराम सुरजन

मताधिकार पर जस्टिस भुईयां की अहम टिप्पणी

ज्ञानेश कुमार को हटाने के लिए देश में तेज हो रहे आंदोलन, चुनाव चोरी के मसले पर मोदी सरकार के खिलाफ बढ़ती नाराजगी और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर के खिलाफ बढ़ते संदेह के बीच एक राहत देने वाला बयान सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस उज्ज्वल भुईयां की तरफ से आया है। हालांकि जस्टिस भुईयां ने यह टिप्पणी किसी सुनवाई के दौरान नहीं की है, न ही यह किसी फैसले का हिस्सा है, लेकिन सुप्रीम कोर्ट के मौजूदा न्यायाधीश होने के नाते ही उनकी यह टिप्पणी काफी अहम है, क्योंकि इसमें नागरिकता और मताधिकार के बीच के अटूट संबंध को रेखांकित किया गया है। एसआईआर पर विवाद इसी वजह से भी उठे हैं कि मतदाता सूची शुद्धिकरण के नाम पर दस-बीस नहीं कम से कम 13 करोड़ लोगों से मताधिकार छीन लिया गया है। मताधिकार छीनने की कवायद को जस्टिस उज्ज्वल भुइयां ने संविधान के मूल ढांचे पर प्रहार के समान बताया है। उन्होंने कहा कि अगर कोई प्रक्रिया लाखों भारतीय नागरिकों को उनके मतदान के अधिकार से वंचित कर उन्हें अपने ही देश में बिना वोट वाले नागरिकों में बदल देती है, तो ऐसी प्रक्रिया 'स्वाभाविक रूप से मनमानी' होगी और संविधान के मूल ढांचे पर चोट करेगी।

हैदराबाद की नालसार यूनिवर्सिटी ऑफ लॉ में आयोजित 19वें जस्टिस बोध राज साहनी मेमोरियल मूट कोर्ट प्रतियोगिता के समापन पर जस्टिस भुईयां ने कहा कि भारतीय संविधान नागरिकों की दो श्रेणियां नहीं बनाता- एक वे जिनके पास वोट देने का अधिकार है और दूसरी वे जिनके पास यह अधिकार नहीं है। वोट छीनने वाली किसी भी प्रक्रिया को स्वभावतः मनमाना बताते हुए उन्होंने कहा कि इसे किसी भी तरह की दलील या बहाने से जायज नहीं ठहराया जा सकता। उनके मुताबिक ऐसी स्थिति संविधान के ‘दिल’ पर चोट करती है और भारत द्वारा अपनाए गए संवैधानिक शासन-व्यवस्था की ही नकार बन जाती है। जस्टिस भुईयां ने अपने भाषण में सीधे तौर पर न एसआईआर का नाम लिया, न ज्ञानेश कुमार का जिक्र इस संदर्भ में किया, न ही सुप्रीम कोर्ट में एसआईआर को जायज ठहराने वाले जो फैसले पिछले कुछ वक्त में आए हैं, उन पर कुछ लक्ष्य, लेकिन यह सब सीधे तौर पर न कहते हुए भी जस्टिस भुईयां ने अपने भाषण में दो टूक कहा कि किसी भारतीय नागरिक की पहचान से उसके वोट देने या मतदाता सूची में शामिल होने के अधिकार को अलग नहीं किया जा सकता। उन्होंने इसकी तुलना शरीर से आत्मा निकालने से की। यानी नागरिकता और मताधिकार को एक-दूसरे से अलग करके नहीं देखा जा सकता। उन्होंने कानून के विद्यार्थियों और भावी वकीलों के जरिए देश को याद दिलाया कि भारत जैसे लोकतंत्र में आम नागरिक के लिए सरकार के संचालन में भागीदारी का सबसे महत्वपूर्ण और सीधा माध्यम उसका वोट है। उन्होंने कहा कि मताधिकार नागरिकता का सार है और यही वह माध्यम है जिसके जरिए देश का सामान्य नागरिक शासन-व्यवस्था में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करता है।

जस्टिस भुईयां ने भारतीय संविधान के अनुच्छेद 326 को विशेष रूप से महत्वपूर्ण बताया जो लोकसभा और राज्यों की विधानसभाओं के चुनावों को वयस्क मताधिकार के आधार पर कराए जाने की संवैधानिक व्यवस्था करता है। जस्टिस भुईयां ने साफ कहा कि अनुच्छेद 326 के साथ छेड़छाड़ नहीं की जा सकती। उन्होंने जोर देकर कहा कि कोई प्राधिकरण ऐसा नहीं कर सकता और कोई अदालत भी ऐसी प्रक्रिया को मंजूरी नहीं दे सकती जो संवैधानिक मताधिकार को बड़े पैमाने पर खत्म करती हो। उन्होंने कहा कि ‘कोई भी संविधान से ऊपर नहीं है।’

इसके साथ ही जस्टिस भुईयां ने अनुच्छेद 326 को संविधान के अनुच्छेद 14 में निहित समानता के सिद्धांत से भी जोड़ा। अनुच्छेद 14 कानून के समक्ष समानता और कानूनों के समान संरक्षण की गारंटी देता है। जस्टिस भुईयां के अनुसार सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार इस समानता को वास्तविक लोकतांत्रिक अर्थ देता है। यानी समाज में ऊंची स्थिति वाला व्यक्ति और सबसे निचले सामाजिक-आर्थिक पायदान पर खड़ा व्यक्ति दोनों की नागरिक के तौर पर एक जैसी हैसियत है और दोनों के चुनाव में एक-एक वोट हैं। उन्होंने इसे शारीर संविधान के उस पर्यवेदनकारी दृष्टिकोण के रूप में प्रस्तुत किया जिसमें आर्थिक और सामाजिक असमानताओं के बावजूद राजनीतिक समानता सुनिश्चित की गई है। जस्टिस भुइयां ने अनुच्छेद 325 का भी उल्लेख किया। इसके तहत लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनावों के लिए प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र में एक सामान्य मतदाता सूची का प्रावधान है। जस्टिस भुईयां ने बाबा साहेब अंबेडकर के उद्देश्य को याद दिलाया कि संविधान निर्माताओं ने मताधिकार को केवल संसद द्वारा बनाए जाने वाले सामान्य कानून के भरोसे नहीं छोड़ा, बल्कि इसे संविधान में ही जगह दी।

इसके साथ ही जस्टिस भुईयां ने मतदाता सूची से नाम हटाने की प्रक्रिया पर भी महत्वपूर्ण टिप्पणी की। उन्होंने जनप्रतिनिधित्व कानून, 1950 और सुप्रीम कोर्ट के पुराने फैसलों का हवाला देते हुए कहा कि किसी मतदाता का नाम एक बार मतदाता सूची में दर्ज हो जाने के बाद, मृत मतदाता के मामले को छोड़कर, उसे बिना नोटिस और सुनवाई के हटाना नहीं जा सकता। यह टिप्पणी एसआईआर के संदर्भ में खास महत्व रखती है। एक अकादमिक कार्यक्रम में जस्टिस भुईयां के संवैधानिक और लोकतांत्रिक सिद्धांतों पर आधारित भाषण का महत्व एसआईआर तत्काल बंद करने की मांग के बीच और बढ़ जाता है। नेन्द्रे मोदी, अमित शाह और ज्ञानेश कुमार के कारण देश में लोकतंत्र कुचलने का जो निराशाजनक माहौल बनाया गया है, उसमें इन दिनों चल रहा आंदोलन और इसके साथ जस्टिस भुईयां का भाषण वैसा ही है जैसा फेज़ अहमद फेज़ ने कहा था कि-बीमार को बेवक़्फ़ करार आ जाए।

पितुसत्ता से लेकर जाति का विनाश, इतिहास के गैर-ब्राह्मणीकरण से मनु का श्राप तक” —पहली नज़र में शैशव यह किसी को भी सामाजिक सुधार और जागरण की कार्यसूची लग सकती है। जाहिर है कि फुले दम्पति, पेरियार, डॉ अम्बेडकर तथा अन्य तमाम समाज सुधारकों की नहीं, अपने जरा अलग तरीके से गांधी की तथा उनके नेतृत्व में राष्ट्रीय आंदोलन की कार्यसूची का भी यह सब जरूरी हिस्सा रहा था। इसीलिए तो, इस राष्ट्रीय आंदोलन के गर्भ से जिस स्वतंत्र भारत का जन्म हुआ, उसका संविधान कम से कम इस कार्यसूची के अनुरूप जरूर था। इससे स्वाभाविक अपेक्षा तो यही की जाती है कि देश की शिक्षा व्यवस्था और खासतौर पर उच्च शिक्षा व्यवस्था इस सामाजिक कार्यसूची को आगे बढ़ाने में मददगार होगी। हैरानी नहीं होगी कि इनके पांवों तले कुचले जाते रहे तबकों के बीच से तथा उनके हमदर्दों की कुछ गर्म आवाज़ें पितुसत्ता, जाति व्यवस्था, इतिहास के ब्राह्मणीकरण और मनुवाद को ‘जहर’ बताएं और इसकी काट या एंटी-डोट की तलाश को अपनी विद्वता का लक्ष्य बनाएं। यह सामाजिक क्रांति का वह एजेंडा है, जिसे राष्ट्रीय आंदोलन पूरा तो नहीं कर सका, पर उसने बलपूर्वक देश के सामने रखा ही नहीं था, ऐसी शक्तियों को भी उन्मुक्त कर दिया था, जो इस एजेंडा को आगे ले जाने वाली थीं।

लेकिन, इसके उलट की क्या कहेंगे?पितृसत्ता के विरोध को, जाति के विनाश की वकालत को, इतिहास के ब्राह्मणीकरण की तथा मनु की आलोचना को ही अगर कोई ‘जहर’ बताए तो? स्वाभाविक रूप से इसका एक ही जवाब हो सकता है— यह तो सामाजिक प्रतिक्रांति का एजेंडा है। नेंद्रे मोदी के नेतृत्व में संघ-भाजपा की सरकार के दबे-छुपे ढंग से सामाजिक प्रतिक्रांति की शक्तियों तथा प्रवृत्तियों को बढ़ावा देने और उससे ज़्यादा खुलेआम सामाजिक क्रांति की प्रवृत्तियों को कमजोर करने को बात तो किसी से छुपी हुई नहीं थी। लेकिन, ऐसा लगता है कि मोदी राज के तीसरे कार्यकाल में सामाजिक प्रतिक्रांति की ताकतों के हाथों में बढ़ते पैमाने शासकीय नीति की बागडोर ही सौंपी जा रही है। केंद्रीय विश्वविद्यालयों में वामपंथी के साथ-साथ अंबेडकरवादी विद्वता/विचारों की मौजूदगी को जांच की सीधे प्रधानमंत्री कार्यालय से सितंबर के आखिर में आयोग मांग, इसी सच्चाई को गाढ़े रंग से रेखांकित करती है।

इस प्रसंग को चूंकि मुख्यधारा के मीडिया में बहुत हद तक अमदेदवाद ने बहूत पुराने जमाने में चार्वाक और आजीवक जैसी भौतिकवादी दार्शनिक धाराओं को हाशिए से भी नीचे

बच्चों के पोषण में डिजिटलीकरण न बने बाधा

ल के वर्षों में लगभग हर क्षेत्र में डिजिटल प्रक्रिया तेजी से बढ़ी है। केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा लक्षित

समूहों के लिए चलाई जा रही विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं में भी तकनीक का इस्तेमाल लगातार बढ़ रहा है। इससे योजनाओं की निगरानी और पारदर्शिता बेहतर हो सकती है, लेकिन तकनीकी

प्रक्रिया पूरी नहीं होने के कारण पात्र व्यक्ति योजना से वंचित रह जाए, तो यह चिंता का विषय है। बच्चों के भोजन और पोषण से जुड़ी योजनाओं में यह सवाल और महत्वपूर्ण हो जाता है, क्योंकि देश में बाल कुपोषण अब भी गंभीर समस्या बना हुआ है। ऐसे में आधार, ई-केवाईसी, फ़ैम रिजगिश्शन या किसी ऐप की तकनीकी प्रक्रिया के कारण किसी बच्चे का भोजन और पोषण नहीं रुकना चाहिए। तकनीक का इस्तेमाल योजनाओं को बेहतर बनाने और उनकी निगरानी के लिए हो सकता है, लेकिन गरीब, प्रवासी, आदिवासी और दूसरे वंचित परिवारों के बच्चों के लिए ऐसी शर्तें भोजन और पोषण सेवाओं तक पहुंच को और कठिन बना सकती हैं।

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-6 के अनुसार देश में पांच साल से कम उम्र के 29.3 प्रतिशत बच्चे डिगनेपन के शिकार हैं, 19 प्रतिशत बच्चे दुबले हैं और 31.8 प्रतिशत बच्चों का वजन उन की उम्र के अनुसार कम है। पिछले राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के मुकाबले इन संकेतकों में सुधार दर्ज हुआ है, लेकिन करीब हर तीन में से एक बच्चे का उम्र के अनुसार कम वजन होना बताता है कि चुनौती अभी भी बड़ी है। बच्चे के जीवन के शुरुआती दो वर्षों में पर्याप्त और विविध आहार मिलना भी पोषण का महत्वपूर्ण आधार है इसलिए कुपोषण को खत्म करने के लिए बहुआयामी प्रयास जरूरी हैं।

बच्चे के पोषण की बुनियाद गर्भावस्था के दौरान ही पड़ जाती है। गर्भवती महिला को पर्याप्त पोषण और स्वास्थ्य सेवाएं मिलना, जन्म के बाद स्तनपान, छह महीने के बाद पर्याप्त और विविध पूरक आहार, साफ पानी, संक्रमण से बचाव और समय पर स्वास्थ्य सेवाएं मिलना बच्चे के विकास से सीधे जुड़े हैं। इसके बाद आंगनवाड़ी और स्कूल में मिलने वाला भोजन आता है। इसलिए कुपोषण सामने आने के बाद बच्चे का वजन बढ़ाने के प्रयासों के साथ उन कारणों पर भी काम करना जरूरी है, जिनके चलते बच्चा कुपोषण का शिकार होता है।

इस पूरी व्यवस्था में आंगनवाड़ी की भूमिका महत्वपूर्ण है। गरीब, आदिवासी, दूरदराज और वंचित परिवारों के बच्चों के लिए आंगनवाड़ी पोषण के साथ स्वास्थ्य और शुरुआती देखभाल की व्यवस्था भी है। इसके लिए जरूरत के मुताबिक पर्याप्त आंगनवाड़ी केंद्र, अच्छे भवन, पानी, बिजली और स्वच्छता की सुविधाएं तथा पर्याप्त संख्या में प्रशिक्षित कार्यकर्ता जरूरी हैं। भोजन की गुणवत्ता पर भी उतना ही ध्यान देना होगा। स्थानीय स्तर पर उपलब्ध दाल, मोटे अनाज, सब्जियां और दूसरी पौष्टिक सामग्री से गर्म पका भोजन दिया जा सकता है। स्कूलों में स्थानीय भोजन और किचन गार्डन को बढ़ावा देने के साथ बच्चों में जंक फूड के बढ़ते इस्तेमाल को रोकने के उपाय भी जरूरी हैं।

मां के पोषण और उसकी सामाजिक सुरक्षा का सवाल भी इससे जुड़ा है। असंगठित क्षेत्र में काम करने वाली महिलाओं को गर्भावस्था और प्रसव के दौरान पर्याप्त आर्थिक सहायता नहीं मिलने का असर मां और बच्चे दोनों के पोषण पर पड़ता है। मातृत्व लाभ की पहुंच बढ़ाने के साथ तीन साल से कम उम्र के बच्चों के लिए क्रेच और शुरुआती देखभाल की व्यवस्था पर भी ध्यान देना होगा। प्रवासी मजदूरों, बेघर और विस्थापित परिवारों के बच्चों के लिए समस्या और

से देखने को मिलती है, जो पूरे शासन के इस दिशा में प्रवृत्त होने का संकेत देती है, इसलिए हम यहां इस प्रसंग का थोड़े विस्तार से जिक्र करना चाहेंगे। इस प्रकरण की शुरुआत, 26 सितंबर को, सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म एक्स पर आए एक गुमनाम ट्वीट से होती है। इस ट्वीट में देश के वर्तमान नीति निर्धारकों को चेताया जाता है कि पितृसत्ता, जाति, ब्राह्मणवाद, मनुवाद की आलोचनाओं का ‘जहर’ युवा दिमागों में भरा जा रहा है, जिसके जरिए वामपंथी जुड़ेली शिक्षण का उपयोग अपनी कतारों में भरती के लिए रंगरूट तैयार करने के लिए कर रही है।

बहरहाल, वामपंथ पर हमले की आड़ में वास्तव में सामाजिक रूप से उत्पीड़ितों, खासतौर पर वंचित जातियों



तथा महिलाओं के अधिकारों तथा उनकी समानता की पुकारों का रास्ता खोलने वाली और उनका रास्ता रोकने वाली मेषाओं को उच्च शिक्षा के दायरे से बहिष्कृत ही करने की आरएसएस की मांग तब पूरी तरह से उजागर हो जाती है, जब उक्त ट्वीट के साथ लगायी गयी सूची में डॉ. अंबेडकर की ‘एन्टिलेशन ऑफ कास्ट’ से लेकर, पेरियार, फुले दम्पति तक के लेखन को उक्त ‘जहर’ के उदाहरण के रूप में गिनाया जाता है। ट्वीट के साथ जोड़ी गयी तस्वीर में पूरी 35 पुस्तकें हैं, जिनमें आसानी से समझ में आने वाले कारणों से, महिला लेखिकाओं की संख्या अनुपातहीन तरीके से ज़्यादा है। यानी यह वामपंथ का नाम लेकर, हर प्रकार की प्रगतिशील धाराओं और खासतौर पर जातिभेद-विरोधी तथा लिंगभेद-निषेधक बराबरी के विचारों को शिक्षा के दायरे से उसी तरह बहिष्कृत करने के प्रयासों का एक उदाहरण है, जिस तरह के हमलों के जरिए ब्राह्मणवाद ने बहुत पुराने जमाने में चार्वाक और आजीवक जैसी भौतिकवादी दार्शनिक धाराओं को हाशिए से भी नीचे

धकेल दिया था।

इस गुमनाम ट्वीट के आने के बाद जो कुछ होता है, वह और भी ज़्यादा मामूखेज है। प्रधानमंत्री कार्यालय इस ट्वीट का स्वतः संज्ञान लेकर, उच्च शिक्षा विभाग को इस संबंध में एक चिट्ठी लिखता है और संबंधित विभाग उसी दिन, यानी 27 सितंबर को ही सभी केंद्रीय विश्वविद्यालयों को चिट्ठी लिखकर उनसे फ़ौरन इन शिकायतों पर उनका जवाब मांगता है। जाहिर है कि केंद्रीय विश्वविद्यालय तुरंत इस मामले की समीक्षा में जुट जाते हैं। केंद्रीय विश्वविद्यालयों से इस शिकायत के सिलसिले में पूछा गया एक सवाल और भी ज़्यादा आशंकाएं पैदा करने वाला है। उन्हें यह भी बताना है कि उक्त ‘जहर’ फैलाने वाले विचारकों/लेखकों से जुड़े पाठ्यक्रमों में कितने

राष्ट्रीय आंदोलन से उन्मुक्त हुई सामाजिक क्रांति को पलटने के लिए संघ-भाजपा का प्रतिक्रांतिकारी हमला दो टांगों पर खड़ा है—हिंदू श्रेष्ठतावाद और मनुवाद या ब्राह्मणवाद, जिसमें सवर्णवाद और मर्दवाद दोनों का योग है। शासन के विभिन्न स्तरों तक इस हमले के पहुंचने से सामाजिक प्रतिक्रांति का वास्तविक खतरा पैदा हो गया है।

छात्र हैं। यानी कुल मिलाकर इस जहर के फैलने और फैलाने का पैमाना कितना है? इसके लिए कितनी और कैसी शेरेंबंदी की जरूरत होगी?

बेशक, जातिवाद तथा मर्दवाद के पक्ष में वर्तमान शासन के सीधे हस्तक्षेप का यह पहला उदाहरण हो भी, तब भी इसके पीछे चले आ रहे एक लगातार जारी सिलसिले को याद रखना जरूरी है।। पाठकों को याद होगा कि रोहित वेमुला की संस्थागत हत्या समेत उच्च शिक्षा संस्थाओं में जातिवादी भेदभाव के अनेक प्रकरणों की पुष्टभूमि में, सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर, विश्व विद्यालय अनुदान आयोग ने आधे-अधूरे तरीके से जो दिशा-निर्देश तैयार किए थे, उनके खिलाफ भी जाहिर है कि संघ परिवार के संगठनों की सलिसता के साथ, विरोधी का तुफान खड़ा करने की कोशिश की गयी थी। तुरंत सुप्रीम कोर्ट ने भी इसकी सुनवाई कर, इन दिशानिर्देशों पर रोक ही लगा दी थी।

सवर्ण गोलबंदी के इसी सिलसिले को आगे बढ़ाते हुए,



‘एक टीकाकार ने लिखा है कि मोदी सरकार ने सड़कल स्ट्राइक के माध्यम से एक मनोवैज्ञानिक खेल खेला है। ऐसा कोई ऑपरेशन वास्तव में हुआ या नहीं इसे कुछ देर के लिए भूल जाएं। यदि भारत की जनता इस बात से प्रसन्न और आश्चस्त होती है कि मोदी सरकार पाकिस्तान से बदला लेने में सक्षम है व हाथ धरे रहने की बजाय कार्यवाई कर रही है तो यही सही। कुछ अन्य टीकाकारों ने इस तथ्य की ओर ध्यान दिलाया है कि बीते वर्षों में अनेक बार ऐसे सीमित आक्रमण भारत करते रहा है, लेकिन पूर्व में इसका हिंदीरा कभी नहीं पीटा गया। इस संबंध में पूर्व प्रसंगों के विवरण भी दिए गए हैं। कहने का आशय यह कि मोदी जो इससे राजनीतिक लाभ उठाने का प्रयत्न कर रहे हैं।’

‘हम मानते हैं कि अगर सचमुच यह लक्ष्यभेदी आक्रमण किया गया था और वर्तमान सरकार इससे लाभ उठा रही है तो यह एक स्वाभाविक राजनीतिक प्रक्रिया है। किन्तु इसमें अगर सिर्फ प्रचार पाने की चाहत है तो आगे चलकर इसका विपरीत असर पड़ सकता है। हम उम्मीद करते हैं कि ऐसा नहीं है।’

(देशबन्धु में 06 अक्टूबर 2016 को प्रकाशित)

https://lalitsurjan.blogspot.com/2016/10/blog-post.html

पावन प्रसंग

पितृ तर्पण

भारतीय समाज में धर्म का प्रमुख स्थान रहा है। धर्म का प्रयोग धार्मिक कृत्यों, रीति-रिवाजों, व्रत व त्योहारों के माध्यम से सामाजिक व्यवस्था को बनाए रखने तथा व्यक्तिवत् विकास में सहायक माना जाता है। इस प्रकार धर्म व्यवस्था से व्यक्ति और समाज अतुष्टासित होता है। भारतीय संस्कृति में माता-पिता को देवतुल्य माना गया है। हमारे संस्कारों में मां के चरणों में ममता, त्याग और करुणा का संसार दिखाई देता है, तो पिता के जीवन में परिश्रम, जिम्मेदारी और सुरक्षा की छाया। मां-बाप अपने बच्चों के भविष्य के लिए अपनी इच्छाओं को पीछे छोड़ देते हैं। वे अपनी जरूरतें कम कर बच्चों की जरूरतें पूरी करते हैं। उनकी खुशियां बच्चों की मुस्कान में बसती हैं और उनका जीवन परिवार को संवराने में बीत जाता है।

पितृपक्ष; जिसका विशेष महत्व हिंदू धर्म में माना जाता है। पितृ पक्ष में पूर्वजों को विधि-विधान से तर्पण करना पितृ तर्पण कहलाता है। पितृ तर्पण आश्विन माह के कृष्ण पक्ष में पूर्णिमा से अमावस्या तक 15 दिनों तक किया जाता है। ऐसा माना जाता है कि पितृपक्ष के दौरान पूर्वज कुटुम्बजनों से मिलने स्वर्ग से धरती पर आते हैं व उन्हें आशीर्ष देते हैं और इसलिए तालाब में जाकर जल अर्पित किया जाता है।

पितृपक्ष में कोई मांगलिक कार्य नहीं किया जाता। पितृपक्ष में कुछ कार्य निषिद्ध माने गए हैं; महिलाओं को नये वस्त्र, नया आभूषण, नई चूड़ी पहनना वर्जित होता है साथ ही गर्म पानी में कपड़े डुबाना, सूप छलनी बजाना, पटक कर कपड़े धोना आदि निषिद्ध होता है। व्यक्ति के मृत्यु के एक वर्ष पश्चात प्रथम बार पितृ तर्पण करने को पितर मिलाना कहा जाता है। सभी पुरुषों की तिथि के अनुसार पितृतर्पण किया जाता है तथा सभी महिलाओं का तर्पण नवमी तिथि के दिन किया जाता है जिसे मातृनवमी कहा जाता है।

पितृपक्ष के पहले दिन को पितरबैसका व अंतिम दिन को पितरखेदा कहा जाता है। पितृपक्ष के प्रथम दिन से पूरे 15 दिनों तक प्रातः चौर के आंगन में गोबर से चौकोर लीपकर चावल के आटे से चौक बनाकर फूल वह भोगी उड़द के दाल को छिड़क कर लोटे में पानी रखा जाता है। बड़ा व पूड़ी का भोग लगाकर भोग लगाया जाता है। बड़ा, पूरी व मालपुआ आदि का छोटा-छोटा टुकड़ा छप्पर में भी रखा जाता है ताकि कौवा व अन्य पक्षी पितर के रूप में आकर ग्रहण करें।

पितृपक्ष के 15 वें दिन पितृ अमावस्या के दिन को पितरखेदा कहा जाता है, इस दिन 15 दिनों का होम, बड़ा, बोबर व पूड़ी को पोटली में बांधकर उसमें पैसे डालकर तालाब में विसर्जित किया जाता है जिससे मछली आदि जीवों को भोजन मिलता है। ऐसा लोकविश्वास है कि-यह सामग्री पितरों को प्राप्त होता है। इस तरह ग्रामीण अंचल में विधि-विधान से पितरों का तर्पण किया जाता है।

डॉ. श्रीमती ज्योति किरण चंद्राकर

■ राजु कुमार

कठिन है। पहचान या स्थायी पते के अभाव में यदि कोई बच्चा आगनवाड़ी, स्कूल, भोजन या स्वास्थ्य सेवाओं से बाहर रह जाता है तो इसका सबसे ज़्यादा असर पहले से वंचित परिवारों

पर पड़ता है। बच्चों के भोजन की व्यवस्था में स्थानीय समुदाय की भागीदारी बढ़ाने की भी जरूरत है। स्थानीय स्वयं सहायता समूहों, रसोइयों, किसानों, ग्राम पंचायतों, माता-पिता और स्कूल प्रबंधन समितियों को इससे जोड़ने पर भोजन की गुणवत्ता और निगरानी दोनों में मदद मिल सकती है। स्थानीय किसानों से दाल, मोटे अनाज और दूसरी पौष्टिक सामग्री की खरीद बच्चों को स्थानीय और विविध भोजन उपलब्ध कराने के साथ किसानों और स्थानीय आजीविका को भी सहारा दे सकती है। इसके साथ सामाजिक अंकेक्षण, भोजन की स्वतंत्र गुणवत्ता जांच, सरकारी ठेकों में पारदर्शिता और शिकायतों के निवारण की प्रभावी व्यवस्था होनी चाहिए। बच्चों के भोजन और पोषण की जिम्मेदारी सरकार की है। इसलिए निजीकरण के बजाय सार्वजनिक व्यवस्था को मजबूत करेंगे हुए

स्थानीय भागीदारी को बढ़ावा देने की जरूरत है। बदलती जलवायु और बा-बार आने वाली प्राकृतिक आपदाओं का असर परिवारों की खाद्य सुरक्षा पर भी पड़ रहा है। सूखा, बाढ़, अत्यधिक गर्मी या आजीविका का नुकसान अंततः घर में उपलब्ध भोजन को प्रभावित करता है। इसलिए आपदा के समय बच्चों और गर्भवती महिलाओं के भोजन और पोषण की व्यवस्था को राहत कार्यक्रमों का जरूरी हिस्सा बनाना होगा। स्थानीय कृषि और पोषण योजनाओं के बीच बेहतर तालमेल भी जरूरी है। आंगनवाड़ी, आशा और पीएम पोषण से जुड़े फ्रंटलाइन कार्यकर्ताओं को पर्याप्त मानदेय, सामाजिक सुरक्षा, जरूरी संसाधन और काम की बेहतर परिस्थितियां दिए बिना जमीनी स्तर पर पोषण सेवाओं में अपेक्षित सुधार मुश्किल है।

भोजन और पोषण से जुड़ी योजनाओं में बढ़ते डिजिटलीकरण को भी इसी संदर्भ में देखने की जरूरत है, ताकि तकनीक बच्चों तक भोजन और पोषण की पहुंच में बाधा न बने। डिजिटलीकरण के कारण बच्चे की भोजन और पोषण सेवाएं प्रभावित नहीं होनी चाहिए। बच्चों के निजी आंकड़ों की सुरक्षा का सवाल भी इससे जुड़ा है। दूसरी ओर, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और शिक्षकों पर डिजिटल रिपोर्टिंग का काम इतना नहीं बढ़ना चाहिए कि बच्चों के साथ सीधे काम करने का उनका समय कम होने लगे। तकनीक सुविधा और निगरानी का साधन रहे, अधिकार पाने की शर्त नहीं।

भोपाल में हाल में हुए बच्चों के भोजन के अधिकार पर तीसरे राष्ट्रीय अधिवेशन में तीन दिनों की चर्चा के बाद जारी घोषणा में इन मुद्दों को प्रमुखता से उठाया गया। अधिवेशन में प्रख्यात अर्थशास्त्री ज्यूं द्रेज सहित भोजन के अधिकार के लिए लंबे समय से काम कर रहे कई वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता और विभिन्न राज्यों के प्रतिनिधि शामिल हुए थे। अधिवेशन में भी इस बात पर जोर दिया गया कि कुपोषण रोकने के प्रयास बच्चे के कुपोषित पाए जाने के बाद ही शुरू नहीं होने चाहिए। मां के पोषण से लेकर बच्चे के शुरुआती आहार, आंगनवाड़ी, स्वास्थ्य सेवाओं और स्कूल तक पोषण की निरंतरता बनाए रखने के लिए क्रेच और शुरुआती देखभाल जैसी गंभीरा समस्या से निपटने के लिए स्वास्थ्य, पोषण, मातृत्व सुरक्षा, स्थानीय खाद्य व्यवस्था और सामाजिक सुरक्षा को साथ लेकर चलना होगा। साथ ही यह सुनिश्चित करना होगा कि आधार, पहचान या कोई तकनीकी प्रक्रिया किसी बच्चे और उसके भोजन और पोषण के अधिकार के बीच न आए।

आपके पत्र



ई.टोकन साइट ठप, खाद की बुकिंग अटकी, बोवनी से पहले किसानों की बढी चिंता

मालथौन, देशबन्धु। रबी फसल की बोवनी का समय नजदीक आते ही किसानों की खाद को लेकर चिंता बढ़ने लगी है। खाद प्राप्त करने के लिये जरूरी ई.टोकन की ऑनलाइन बुकिंग नहीं हो पा रही है। ई.टोकन की वेबसाइट के सुचारु रूप से काम नही करने के कारण किसान स्लॉट बुक कराने के लिये बार-बार प्रयास कर रहे हैं, लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिल रही है। ऐसे में किसानों को आशंका है कि यदि समय रहते खाद उपलब्ध नहीं हुई तो रबी फसल की बोवनी प्रभावित हो सकती है। खरीफ फसल की कटाई के बाद अधिकांश खेत खाली हो चुके हैं। खेतों में बतर आने लगी है और किसान बखरनी सहित रबी की बोवनी की तैयारियों में जुट गये हैं। बोवनी का समय नजदीक होने के

कारण डीएपी सहित अन्य उर्वरकों की मांग भी बढ़ने लगी है। इसी बीच ऑनलाइन ई.टोकन व्यवस्था में तकनीकी परेशानी किसानों के लिये परेशानी का कारण बन गई है। किसानों सत्रू अरविंद और इमरत ने बताया कि खाद के लिये ई.टोकन में स्लॉट बुक करने का प्रयास किया जा रहा है, लेकिन वेबसाइट नहीं चलने से टोकन नहीं बन पा रहा है। कई बार प्रयास करने के बाद भी स्लॉट बुक नहीं होने से किसान खाद की व्यवस्था को लेकर परेशान हैं। किसानों का कहना है कि बोवनी के समय खाद नहीं मिली तो इसका सीधा असर फसल की तैयारी पर पड़ सकता है। डबल लॉक केंद्र से मिली जानकारी के अनुसार मालथौन में करीब 1200 बोरी डीएपी खाद पहुंच चुकी है, लेकिन इसका

ऑनलाइन स्टॉक अभी दर्ज किया जाना बाकी है। बताया गया कि खाद का वितरण ई.टोकन के माध्यम से किया जाना है। ऑनलाइन स्टॉक दर्ज होने और ई.टोकन व्यवस्था शुरू होने के बाद ही किसानों को खाद का वितरण किया जा सकेगा।

किसानों का कहना है कि रबी की बोवनी का समय निकलने से पहले ई.टोकन की तकनीकी समस्या का समाधान किया जाना जरूरी है। किसानों ने प्रशासन से खाद की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने, ऑनलाइन स्टॉक तत्काल अपडेट कराने तथा ई.टोकन व्यवस्था को शीघ्र सुचारु कराने की मांग की है, ताकि उन्हें खाद के लिये परेशान न होना पड़े और समय पर रबी की बोवनी शुरू की जा सके।

द स्टार ऑफ बुंदेलखंड का ग्रैंड फिनाले संपन्न, प्रतिभाओं ने बिखेरा हुनर का जलवा



सागर, देशबन्धु। पीआरएस वेलफेयर सोसाइटी के तत्वावधान में आयोजित प्रतिभा खोज प्रतियोगिता द स्टार ऑफ बुंदेलखंड का ग्रैंड फिनाले रविवार के गरिमामय एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। बुंदेलखंड अंचल से चयनित प्रतिभागियों ने गायन और नृत्य की शानदार प्रस्तुतियां देकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। प्रतियोगिता के विभिन्न वर्गों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को विजेता घोषित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक शैलेंद्र जैन ने कहा कि सागर विकास के नये आयाम स्थापित कर रहा है। युवाओं को भी विभिन्न क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुये नई मंजिलें तय करनी चाहिये। उन्होंने ऐसे आयोजनों को प्रतिभाओं को मंच देने के लिये आवश्यक बताते हुये आयोजन की सफलता पर पूरी टीम को बधाई दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता समाजसेवी अनिल तिवारी ने की। उन्होंने कहा कि युवा देश की रीढ़ हैं और इस तरह के आयोजन युवाओं की आंतरिक ऊर्जा एवं आत्मविश्वास को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम संरक्षक समाजसेवी

कमी नहीं है, जरूरत उन्हें उचित मंच और मार्गदर्शन देने की है। इस अवसर पर संस्था की ओर से बुंदेलखंड साहित्यकार पारखी सम्मान से श्यामलम के अध्यक्ष उमाकांत मिश्र को सम्मानित किया गया। ग्रैंड फिनाले में कला एवं संगीत क्षेत्र के विशेषज्ञों ने निर्णायक की भूमिका निभाई। निर्णायक मंडल में डॉ. शैलेष चौबे, अमित मिश्रा, भूपेंद्र राठीर, सौर्या बुधोलिया, शुभम चौबे, दीप्ति धर्मेन्द्र रैकवार और राधिका साहू शामिल रहे। सिंगिंग वर्ग में श्रुति श्रीवास्तव प्रथम, जया रजक द्वितीय और डॉ. अचला जैन तृतीय रही। डॉसिंग ग्रुप-ए में तन्वी पटेल प्रथम, लविन साहू द्वितीय और देवीशि चौरसिया तृतीय रही। डॉसिंग ग्रुप-बी में प्रज्ञा विश्वकर्मा प्रथम, वैशाली शर्मा द्वितीय और प्रगति जैन तृतीय रही। पीआरएस सोसायटी के अध्यक्ष डॉ. प्रदीप पाण्डेय ने कार्यक्रम की सफलता पर डायरेक्टर विपिन पटेल सहित पूरी आयोजन टीम को बधाई दी। संचालन विजय भट्ट ने किया। अंत में विपिन पटेल ने सभी अतिथियों, निर्णायकों, प्रतिभागियों एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

कन्या महाविद्यालय में हुआ कहानी बदलाव की सफलता कथा संकलन कार्यक्रम

बीना, देशबन्धु। शास. कन्या महाविद्यालय में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत कहानी बदलाव की सफलता कथा संकलन कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्राचार्य डॉ. रश्मि जैन के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम का उद्देश्य शासकीय योजनाओं से लाभान्वित छात्राओं के जीवन में आये सकारात्मक बदलावों को साझा करना तथा अन्य छात्राओं को योजनाओं के प्रति जागरूक करना रहा। मुख्य अतिथि जनभागीदारी समिति अध्यक्ष सोनाली जितेंद्र राय ने छात्राओं को विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुये उपलब्ध अवसरों का लाभ उठाने और आत्मनिर्भर बनने के लिये प्रेरित किया। मुख्य वक्ता संजीव बौद्ध ने छात्राओं से संवाद कर योजनाओं की जानकारी दी और उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया। भूपेंद्र नामदेव ने छात्राओं को आत्मविश्वास के साथ अपनी बात रखने तथा सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति सजग रहने का संदेश दिया। भूपेंद्र राय ने शासकीय योजनाओं के उद्देश्य एवं लाभों की जानकारी दी। कार्यक्रम में एक छात्रा ने शासकीय योजना से मिले लाभ और उससे जीवन में आये बदलाव की अपनी सफलता कथा साझा की। प्राचार्य डॉ. रश्मि जैन ने छात्राओं से लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने और उपलब्ध अवसरों का लाभ उठाने का आह्वान किया। इस अवसर पर भूपेंद्र नामदेव, गोविंद तिवारी, प्रीति लखेरा, भूपेंद्र राय, ब्रजपाल सिंह राजपूत सहित महाविद्यालयीन अधिकारी कर्मचारी एवं छात्रावें उपस्थित रही। संचालन डॉ. विशाल मिश्रा ने किया तथा कार्यक्रम प्रभारी सत्यम सिंह कुर्मी रहे।

नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं जनक रानी व्यास पति संजय कुमार व्यास मकान नंबर 321 छत्रसाल वाई नंबर 13 साईंस कॉलेज के पीछे जगात चौकी पन्ना मध्य प्रदेश मेरे पहचान पत्र में निर्मला एवं मार्कशीट में निर्मला कुमारी दर्ज है जबकि मेरे आधार कार्ड में जनक रानी व्यास दर्ज है मेरा सही एवं वास्तविक नाम जनक रानी व्यास पति संजय व्यास के नाम से जाना एवं पहचाना जाए।

रा.प्र.क्र. 0408/अ-63/वर्ग 2024-25
मौजा राजखेडी प.ह.नं. 71
सूचना पत्र (विज्ञप्ति)
1. कमलेश पिता बिहारीलाल शिवहरे निवासी सेमाढाना तहसील जैसीनगर जिला सागरआवेदक
विरुद्ध
1. लक्ष्मन प्रसाद पिता शंकरलाल निवासी मालथौन तह. मालथौन जिला सागरअनावेदक
.....00..
एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक कमलेश पिता बिहारीलाल शिवहरे निवासी सेमाढाना तह. व जिला सागर द्वारा मौजा राजखेडी पटवारी हल्का नं.71 तहसील सागर में स्थित भूमि खसरा नं. 188/2 में से 1190 व. फु. भूमि पर पंजीकृत विक्रय पत्र के एवं संशोधन पंजी क्रमांक 329 आदेश दिनांक 02.10.2013 से नामांतरण दर्ज किया गया था आवेदक के पिता बिहारीलाल पिता निरपत्त शिवहरे का दिनांक 05.02.2020 स्वयंसेवक हो जाने कारण अधिकृत डुरुस्ती किये जाने वाबत् आवेदक पत्र प्रस्तुत किया गया है।
अतः उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई उजर आपत्ति हो तो वह पेशी दिनांक 21/10/2026 को इस न्यायालय मे स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर पेशा कर सकता है। बाद गुजाने व्याद किसी भी प्रकार की उजर आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।
आज दिनांक 05/10/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्र से जारी।
अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
सागर जिला सागर

प्रांतीय मेले में विद्यार्थियों ने हासिल किए 2 प्रथम स्थान, 3 विद्यार्थी आगामी क्षेत्रस्तरीय प्रतियोगिता में महाकौशल प्रांत का करेंगे प्रतिनिधित्व

बीना, देशबन्धु। सरस्वती शिशु मंदिर उच्च. माध्य. विद्यालय रीवा में 3 एवं 4 अक्टूबर को 24 वां प्रांत स्तरीय विज्ञान एवं गणित मेला आयोजित किया गया। मेले में आठ विभागों के विद्यार्थियों ने विभिन्न विधाओं में अपनी वैज्ञानिक प्रतिभा, सुजनात्मकता एवं नवाचार का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में सरस्वती शिशु मंदिर उच्च. माध्य. विद्यालय बीना के तीन भैया एवं एक बहिन ने सागर विभाग का प्रतिनिधित्व करते हुये उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। तरुण वर्ग में यश रजक ने जैविक कृषि आधारित प्रदर्श तथा लोकेंद्र पटेल ने खाद्य संरक्षण आधारित प्रदर्श में प्रथम स्थान प्राप्त किया। वही गौरकुष्ण मुड़ोतिया ने नवाचार आधारित प्रदर्श में द्वितीय स्थान हासिल किया। किशोर वर्ग में निधि साहू का संवेदक आधारित प्रदर्श भी सारक्षनीय रहा। विद्यालय के विद्यार्थियों ने दो प्रथम एवं एक द्वितीय स्थान प्राप्त कर विद्यालय एवं सागर विभाग का गौरव बढ़ाया। प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त तीनों भैया अब आगामी क्षेत्र स्तरीय प्रतियोगिता में महाकौशल प्रांत का प्रतिनिधित्व करेंगे। विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर विद्यालय परिवार ने प्रतिभागियों, मार्गदर्शक आचार्य-दीदी एवं अभिभावकों को बधाई देते हुये आगामी प्रतियोगिता के लिये शुभकामनायें दी।

विधायक द्वारा फेसबुकिया नेता कहने पर खुद साफ की गांधी प्रतिमा

बीना, देशबन्धु। गांधी जयंती से पहले गांधी चौक पर लगी महात्मा गांधी की प्रतिमा धूल से ढकी होने का मामला राजनीतिक चर्चा का मुद्दा बन गया है। सोमवार को राकेश सेन गांधी चौक पहुंचे और प्रतिमा की खुद साफ सफाई की। उन्होंने पेंटर बुलाकर प्रतिमा का रंग भी करवाया। दरअसल 1 अक्टूबर को गांधी जयंती से एक दिन पहले राकेश सेन ने गांधी चौक का एक वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट किया था। इसमें गांधी प्रतिमा धूल से ढकी दिख रही थी। उन्होंने नगर पालिका से इसे साफ कराने की मांग की थी। इसके बाद नपा के एक कार्यक्रम में विधायक निर्मला सप्रे ने राकेश सेन को फेसबुकिया नेता कहा था। नपाध्यक्ष लता सकवार ने भी कहा था कि सोशल मीडिया पर पोस्ट करने से पहले अधिकारियों को बताना चाहिये था। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसी पोस्ट से पार्टी की छवि खराब होती है। इस घटनाक्रम के बाद राकेश सेन ने सोशल मीडिया पर कोई सफाई नहीं दी और न ही सार्वजनिक रूप से कोई जवाब दिया। सोमवार को हाथ में झाड़ू और बाल्टी लेकर उन्होंने प्रतिमा की सफाई की। इसके बाद पेंटर को बुलाकर प्रतिमा का रंग रोगन भी कराया।

रेड रिबिन क्लब के अंतर्गत स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित

देवरी, देशबन्धु। शास. नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत एवं रेड रिबिन क्लब के तत्वाधान में एक दिवसीय नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. ओम प्रकाश दुबे ने विद्यार्थियों से कहा कि हमें अपने स्वास्थ्य प्रति सजग रहते हुये समय-समय पर स्वास्थ्य परीक्षण कराते रहना चाहिये। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र से मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. श्रेया जैन ने महिलाओं के स्वास्थ्य पर स्वच्छता, पोषण आहार एवं एनीमिया पर विस्तृत जानकारी दी। रेड रिबिन प्रभारी शिवलाल अहिरवार ने कहा कि आज के इस शिविर में छात्र-छात्राओं को स्वास्थ्य के प्रति जिम्मेदार नागरिक बनने का संदेश दिया। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र देवरी से पथारे स्वास्थ्य कर्मियों गोविन्द बरदिया, अनुराग दुबे, परमलाल पाल, हरिओम पटेल एवं सोमनाथ ने उपस्थित छात्र-छात्राओं एवं महाविद्यालय स्टाॅफ का स्वास्थ्य परीक्षण कि या। जिसमें र क्त चाप, मधु मेह, हीमोग्लोबिन तथा पोषण संबंधी परामर्श प्रदान किया। मंच संचालन डॉ. हरिशंकर सेन एवं आभार कार्यक्रम प्रभारी वंदना साहू ने व्यक्त किया। इस अवसर पर डॉ. जीआर चौहान, डॉ. कलम सिंह डुड्डे, भगवत सिंह पटेल, डॉ. मनोज कुमार मिश्रा, डॉ. मनीषा पाण्डे सहित विद्यार्थी उपस्थित रहे।



कार्यालय कलेक्टर एवं पदेन अपर सचिव, मध्य प्रदेश शासन राजस्व विभाग जिला निवाड़ी (म.प्र.)						
प्रकरण क्रमांक--0009/अ--82/2025--26			दिनांक-- 11.09.2026			
उद्घोषणा						
चूँकि भू-अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता अधिकार अधिनियम-2013 (क्र. 30 सन 2013) के अंतर्गत धारा-11 की उपधारा (1) के अंतर्गत प्रारंभिक अधिसूचना के प्रकाशन दिनांक से प्रावधानित समयसीमा 60 दिवस की अवधि मे कोई आपत्ति प्राप्त नहीं हुई है जिससे अधिनियम की धारा-15(2) के अंतर्गत किसी कार्यवाही की आवश्यकता नहीं है तथा इस आधार पर समुचित सरकार को यह समाधान हो गया है कि नीचे दी गयी अनुसूची के पद (1) मे वर्णित परियोजना हेतु अनुसूची के पद (2) मे उल्लेखित भूमि की सार्वजनिक लोक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है एवं उक्त भूमि के अर्जन से किसी भी व्यक्ति अथवा परिवार का विस्थापन नहीं किया जाना है। अतः भू-अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता अधिकार अधिनियम-2013 (क्र. 30 सन 2013) के अंतर्गत धारा-19 की उपधारा (1), (2) के अंतर्गत यह घोषित किया जाता है की निम्न अनुसूची के पद (2) मे वर्णित भूमि एवं स्थावर परिसंपत्तियों की अनुसूची के पद (3) मे वर्णित लोक प्रयोजन हेतु आवश्यकता है.....						
(1) परियोजना का नाम:- केन-बेतवा लिंक परियोजना						
(2) भूमि का विवरण :- (1) जिला:- निवाड़ी (2) तहसील:- निवाड़ी (3) ग्राम:-विनवारा						
(4) पटवारी हल्का:-28-विनवारा (5) अर्जित भूमि का रकबा :-4.803 हे.						
स. क्र.	भूमि स्वामी का नाम	सर्वेक्षण/खसरा संख्या	भूमि का कुल रकबा (हे.मे)	भूमि का अर्जित रकबा (हे.मे)	सिंचित / अर्सिंचित रकबा (हे.मे)	निजी भूमि में स्थित परिसंपत्तियों का विवरण
1	2	3	4	5	6	7
01	हरप्रसाद पुत्र ननु जाति अहिरवार पता विनवारा निवाड़ी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी।	1133	0.496	0.241	-	छेवला-1
2	हरप्रसाद पुत्र ननु जाति अहिरवार पता विनवारा निवाड़ी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 538/986,आशीष पुत्र सत्यप्रकाश जाति ब्राह्मण पता विनवारा निवाड़ी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 132/986, नाथुराम पुत्र गनु जाति अहिरवार पता विनवारा निवाड़ी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 184/986,अंकित पुत्र राजकुमार तिवारी जाति ब्राह्मण पता विनवारा निवाड़ी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 132/986	1134	0.986	0.403	सिंचित	बेरी-1
3	अभिषेक पुत्र संतोष पता विनवारा निवाड़ी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/42 प्रिंस पुत्र संतोष पता विनवारा निवाड़ी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/42 ममता पुत्र सरमन जाति काछी पता सकरार मऊरानीपुर निवाड़ी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/14 सुजान पुत्र खरे पता सकरार मऊरानीपुर निवाड़ी मध्य प्रदेश झांसी उत्तर प्रदेश भूमि स्वामी 1/24 देवेन्द्र पुत्र परमलाल जाति काछी पता असाटी निवाड़ी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/8 रमकू पुत्री सरमन जाति काछी पता सकरार मऊरानीपुर निवाड़ी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी। 1।4 मुलायम पुत्र विन्दावन जाति काछी पता सकरार मऊरानीपुर निवाड़ी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/12 सुमन पुत्री संतोष पता विनवारा निवाड़ी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/42 सियाराम पुत्र सरमन जाति काछी पता सकरार मऊरानीपुर निवाड़ी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/14 मलखान पुत्र सरमन जाति काछी पता सकरार मऊरानीपुर निवाड़ी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/14 हरचरन पुत्र खरे पता सकरार मऊरानीपुर मध्य प्रदेश झांसी उत्तर प्रदेश भूमि स्वामी 1/24 राजाराम पुत्र सरमन जाति काछी पता सकरार मऊरानीपुर निवाड़ी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/14 मोतीलाल पुत्र विन्दावन जाति काछी पता सकरार मऊरानीपुर निवाड़ी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/12 छोटेराल पुत्र घमण्डी जाति काछी पता असाटी निवाड़ी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/8 ऊषा पुत्री सरमन जाति काछी पता सकरार मऊरानीपुर निवाड़ी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/14	1136	0.761	0.761	-	चिरोल-2 बबूल-2
4	डालचन्द्र पुत्र काशीराम जाति काछी पता असाटी निवाड़ी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/6	1125/1/1	0.056	0.056	सिंचित	
5	भगवानदास पुत्र घमण्डी जाति काछी पता असाटी निवाड़ी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/8	1125/1/2	0.065	0.065	सिंचित	बबूल- 1
6	देवेन्द्र पुत्र परमलाल जाति काछी पता असाटी निवाड़ी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/8	1125/3/1	0.260	0.260	सिंचित	
7	नंदलाल पुत्र घमण्डी जाति काछी पता असाटी निवाड़ी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/8 भदोले पुत्र काशीराम जाति काछी पता विनवारा निवाड़ी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 16 नरेलाल पुत्र काशीराम जाति काछी पता असाटी निवाड़ी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/6 छोटेराल पुत्र घमण्डी जाति काछी पता असाटी निवाड़ी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/8	1125/3/2	0.250	0.250	सिंचित	पक्का मकान-2 कच्चा मकान-2 शीवालय-1 कुआ (पक्का)-1 नीम-3 शीराम-1
8	दयाराम पुत्र जानकी पता विनवारा निवाड़ी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/4 चतुर्भुज पुत्र फनालाल पता विनवारा निवाड़ी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/4 काशीराम पुत्र प्यारेलाल पता विनवारा निवाड़ी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/2	1125/3/3	0.157	0.157	सिंचित	पक्का मकान-1 कुआ-1 (पक्का) नीम-2 आम-2
9	भदोले पुत्र काशीराम पता विनवारा निवाड़ी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/6 डालचन्द्र पुत्र काशीराम पता विनवारा निवाड़ी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/6 दयाराम पुत्र जानकी पता विनवारा निवाड़ी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/4 चतुर्भुज पुत्र फनालाल पता विनवारा निवाड़ी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/4	1125/1/3	0.081	0.081	सिंचित	
10	मनीराम अनिल राजकुमार पुत्र दयाराम जाति कुशवाहा पता विनवारा निवाड़ी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 3/10 सुनील देवेन्द्र पुत्र गोविन्ददास जाति अहिरवार पता विनवारा निवाड़ी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/3 रामश्री बेवा गोविन्ददास जाति अहिरवार पता विनवारा निवाड़ी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/6 रामकली बेवा दयाराम जाति कुशवाहा पता विनवारा निवाड़ी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/10 रानी पुत्री दयाराम जाति कुशवाहा पता विनवारा निवाड़ी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/10	1124/3	0.077	0.025	-	मकान-1 (पक्का)
11	रमकू पुत्री सरमन जाति काछी पता सकरार मऊरानीपुर निवाड़ी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/14 सियाराम पुत्र सरमन जाति काछी पता सकरार मऊरानीपुर निवाड़ी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/14 मलखान पुत्र सरमन जाति काछी पता सकरार मऊरानीपुर निवाड़ी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/14 प्रिंस पुत्र संतोष पता सकरार मऊरानीपुर मध्य प्रदेश निवाड़ी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/42 सुमन पुत्री संतोष पता सकरार मऊरानीपुर मध्य प्रदेश निवाड़ी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/42 मोतीलाल पुत्र विन्दावन जाति काछी पता सकरार मऊरानीपुर निवाड़ी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/12 राजाराम पुत्र सरमन जाति काछी पता सकरार मऊरानीपुर निवाड़ी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/14 सुजान पुत्र खरे जाति काछी पता सकरार मऊरानीपुर निवाड़ी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/6 ऊषा पुत्री सरमन जाति काछी पता सकरार मऊरानीपुर निवाड़ी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/14 हरचरन पुत्र खरे जाति काछी पता सकरार मऊरानीपुर निवाड़ी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/6 ममता पुत्री सरमन जाति काछी पता सकरार मऊरानीपुर निवाड़ी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/14 अभिषेक पुत्र संतोष पता सकरार मऊरानीपुर मध्य प्रदेश निवाड़ी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/42	1135	0.263	0.217	सिंचित	
12	रामकली बेवा दयाराम जाति कुशवाहा पता विनवारा निवाड़ी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/25 मनीराम अनिल राजकुमार पुत्र दयाराम जाति कुशवाहा पता विनवारा निवाड़ी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 3/25 हरप्रसाद पुत्र ननु जाति अहिरवार पता विनवारा निवाड़ी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 4/5 रानी पुत्री दयाराम जाति कुशवाहा पता विनवारा निवाड़ी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/25	1124/1	0.173	0.107		
13	श्यामप्रकाश तनय रामकुमार जाति ब्राह्मण पता नि.ग्राम भूमि स्वामी 3/4 नाथूराम तनय गनू जाति चमार पता नि. ग्राम भूमि स्वामी 1/4 निर्मला बेवा रामप्रकाश जाति ब्राह्मण पता नि. ग्राम भूमि स्वामी	1024	2.456	0.758	1166	मकान-1 (पक्का) कुआ-1 नीम-4 आवला-2 बोर-2
14	सियाराम पुत्र सरमन जाति काछी पता मऊरानीपुर (उत्तर प्रदेश) निवाड़ी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 20/624 ममता पुत्री सरमन जाति काछी पता मऊरानीपुर (उत्तर प्रदेश) निवाड़ी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 20/624 रमकू पुत्री सरमन जाति काछी पता मऊरानीपुर (उत्तर प्रदेश) निवाड़ी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 20/624 सुमन पुत्री संतोष पता विनवारा निवाड़ी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 7/624 राजाराम पुत्र सरमन जाति काछी पता मऊरानीपुर (उत्तर प्रदेश) निवाड़ी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 20/624 मुलायम पुत्र वृन्दावन पता विनवारा निवाड़ी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 24/624 मलखान पुत्र सरमन जाति काछी पता मऊरानीपुर (उत्तर प्रदेश) निवाड़ी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 21/624 सुजान पुत्र खरे पता विनवारा निवाड़ी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 47/624 नाथूराम पुत्र गनू जाति अहिरवार पता निवाड़ी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 68/624 मातादीन पुत्र मोहनलाल जाति बाढ़ई पता निवाड़ी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 68/624 अभिषेक पुत्र संतोष पता विनवारा निवाड़ी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 7/624 ऊषा पुत्री सरमन जाति काछी पता मऊरानीपुर (उत्तर प्रदेश) निवाड़ी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 20/624 किशुनलाल पुत्र मोहनलाल जाति बाढ़ई पता निवाड़ी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 68/624 प्रिंस पुत्र संतोष पता विनवारा निवाड़ी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 7/624 मोतीलाल पुत्र वृन्दावन पता विनवारा निवाड़ी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 24/624 हरचरन पुत्र खरे पता विनवारा निवाड़ी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 47/624 रामबाबू पुत्र मोतीलाल पता विनवारा निवाड़ी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 68/624 सुरेश कुमार पुत्र मोतीलाल पता विनवारा निवाड़ी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 68/624	1166	0.624	0.378		
15	सुनील तनय गोविन्ददास जाति अहिरवार पता निवासी ग्राम भूमि स्वामी 1/2 देवेन्द्र तनय गोविन्ददास जाति अहिरवार पता निवासी ग्राम भूमि स्वामी 76/417 श्रीमती पुक्कन पत्नी नंदलाल जाति कुशवाहा पता नि. असाटी भूमि स्वामी 132/417	1122	0.417	0.056	सिंचित	
16	हेमन्त पुत्र सियाराम पता विनवारा निवाड़ी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/15	1127	0.016	0.016	सिंचित	
17	आशीष पुत्र सियाराम पता विनवारा निवाड़ी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/15 कमला बेवा	1137	0.328	0.054		
18	सियाराम पता विनवारा निवाड़ी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/15 हरचरन पुत्ररामसेवक	1138	0.478	0.050	सिंचित	नीम-
19	पता विनवारा निवाड़ी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/20 गनेशी पुत्री रामसेवक पता विनवारा निवाड़ी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/20 जयन्ती पुत्री रामसेवक पता विनवारा निवाड़ी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/20 भानकुंवर बेवा रामसेवक पता विनवारा निवाड़ी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/20 परशुराम पुत्र लाले पता विनवारा निवाड़ी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/5 जुगलकिशोर पुत्र लाले पता विनवारा निवाड़ी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/5 छोटेराल पुत्र लाले पता विनवारा निवाड़ी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/5	1139	0.344	0.001	सिंचित	
20	निवाड़ी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/20 भानकुंवर बेवा रामसेवक पता विनवारा निवाड़ी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/20 परशुराम पुत्र लाले पता विनवारा निवाड़ी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/5 जुगलकिशोर पुत्र लाले पता विनवारा निवाड़ी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/5 छोटेराल पुत्र लाले पता विनवारा निवाड़ी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/5	1126/2	0.057	0.030	सिंचित	पक्का मकान-1 फाउंडेशन-1 बोर-1
21	देवेन्द्र पुत्र परमलाल जाति काछी पता असाटी निवाड़ी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/4 भगवानदास पुत्र घमण्डी जाति काछी पता असाटी निवाड़ी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/4 छोटेराल पुत्र घमण्डी जाति काछी पता असाटी निवाड़ी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/4 नंदलाल पुत्र घमण्डी जाति काछी पता असाटी निवाड़ी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/4	1126/1/3/3	0.295	0.189	सिंचित	पक्का मकान-1
22		1126/1/2	0.121	0.055		
23		1145	0.154	0.024		
24		1125/2	0.093	0.093		
25	शासकीय	988	2.497	0.332		
26		1128	0.255	0.054		
27		1165	0.308	0.059		
28		1124/2	0.049	0.031		
योग		कुल किता 28	12.117	4.803		
(3) लोक प्रयोजन :- केन-बेतवा लिंक परियोजना अंतर्गत लिंक नहर का निर्माण कार्य।						
(4) भूमि का नक्शा एवं प्लान का निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) एवं भू-अर्जन अधिकारी अनुभाग-निवाड़ी, जिला-निवाड़ी तथा कार्यपालन यंत्री, केन-बेतवा लिंक परियोजना, जल संसाधन संभाग क्र. 2, बल्देवगढ़ के कार्यालय में किया जा सकता है।						
मध्य प्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार						
(जमुना भिड़े)						
जी-19496/26						
कलेक्टर एवं पदेन उपसचिव						
मध्य प्रदेश शासन राजस्व विभाग जिला-निवाड़ी (म.प्र.)						

सार समाचार

नकली खाद बेचने वालों पर सख्त कार्रवाई, दोषी विक्रेताओं के लाइसेंस निरस्त हैं: भाकिसं

टीकमगढ़, देशबन्धु। खाद की क्लिष्ट और नकली खाद की शिकायतों के बीच भारतीय किसान संघ ने किसानों के हित में मोर्चा खोलते हुए कृषि विभाग से सख्त कार्रवाई की मांग की है। संघ के जिलाध्यक्ष शिव मोहन गिरि, जिला मंत्री राजेंद्र श्रीवास्तव और जैविक खेती प्रमुख संतोष राजपूत ने उपसंचालक कृषि विकास, विस्तार एवं कल्याण विभाग मनोज कश्यप को ज्ञापन सौंपकर खाद और किसानों से जुड़े कई मुद्दे उठाए।

ज्ञापन में कहा गया कि किसानों को नकली डीएपी खाद दिए जाने की शिकायत के बाद कृषि विभाग ने बृजमोहन एंड संस और अनिल एंड संस के यहां कार्रवाई कर मूने लिए हैं। किसान संघ ने मांग की कि यदि जांच में खाद नकली पाई जाती है तो संबंधित विक्रेताओं के लाइसेंस निरस्त करने के साथ धोखाधड़ी संबंधी कानूनी कार्रवाई की जाए। संघ ने जिले की सभी खाद दुकानों की लगातार जांच और नमूना लेने की मांग करते हुए बाजार में बिक रहे रघुवीरा शक्ति एनपीके 20:20:10 और 12:32:06 की भी जांच करने को कहा है। ज्ञापन में बृजमोहन एंड संस तथा अनिल एंड संस से अगस्त और सितंबर में टोकन के माध्यम से खाद लेने वाले किसानों की सूची मोबाइल नंबर सहित उपलब्ध कराने तथा टोकन प्रणाली पर खाद का पूरा स्टॉक प्रदर्शित करने की मांग रखी गई, ताकि किसानों को खाद के लिए इधर-उधर भटकना न पड़े। किसान संघ ने खरीफ 2026 की गिरदावरी में अधिसूचित फसलों, अतिवृष्टि से खराब फसल पर विभागीय कार्रवाई और वैक्यू चैन पारदर्शक के माध्यम से वितरित मृंगफली बीज में सामने आई अफलन की शिकायत की जांच की भी मांग की।



समयसीमा बैठक में हुई विभागवार कामकाज की समीक्षा

लापरवाही पर कलेक्टर का कड़ा रुख, लंबित संबल प्रकरणों पर 2 की वेतनवृद्धि रोकी

► 100 दिन पुरानी शिकायतों के प्राथमिकता से निराकरण पर जोर

टीकमगढ़, देशबन्धु। सरकारी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक समय पर पहुंचे और दफ्तरों में फाइलें अनावश्यक रूप से अटक न रहें, इसे लेकर कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय ने अधिकारियों को स्पष्ट संदेश दिया है। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा बैठक में उन्होंने लंबित प्रकरणों, सीएम हेल्पलाइन, जनकल्याणकारी योजनाओं और जिले में चल रहे अभियानों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को काम में तेजी लाने और तय समय में निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बैठक में संबल योजना के पंजीयन और लंबित प्रकरणों की जनपदवार समीक्षा विशेष रूप से की गई। कलेक्टर ने लंबे समय से पोर्टल पर लंबित मामलों में आवश्यक कार्रवाई नहीं होने पर नाराजगी जताई। उन्होंने निर्देश दिए कि ऐसे ग्राम पंचायत सचिवों को चिन्हित किया जाए, जिनकी ओर से लंबित



प्रकरणों के निराकरण में न्यूनतम कार्रवाई की जा रही है। ऐसे मामलों में दो वेतनवृद्धि रोकने की कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर का यह निर्देश सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में जवाबदेही तय करने की दिशा में सख्त संदेश माना जा रहा है।

सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने विभागवार और अधिकारीवार लंबित शिकायतों की स्थिति जानी। उन्होंने अपर कलेक्टर और संबंधित एसडीएम को शिकायतों की नियमित निगरानी करने तथा सी दैन से अधिक समय से लंबित शिकायतों को प्राथमिकता के आधार पर निपटाने के निर्देश

दिए। सभी विभागों को लंबित और निराकृत प्रकरणों की दैनिक प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने की भी कहा गया।

बैठक में सेवा संकल्प अभियान के आगामी कार्यक्रमों की तैयारियों की भी समीक्षा हुई। 6 अक्टूबर को ब्लॉक स्तर पर नेत्र परीक्षण शिविर, 7 अक्टूबर को सेवा ज्योति, 8 अक्टूबर को दिव्यांगजन सम्मान और 9 अक्टूबर को वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कलेक्टर ने संबंधित नोडल अधिकारियों को तैयारियां समय पर पूरी करने और आयोजन में किसी तरह की अव्यवस्था न होने देने के निर्देश दिए।

इसके अलावा बल्देवगढ़ में प्रस्तावित जनविश्वास शिविर, जिले में खाद की उपलब्धता एवं वितरण, मतदाता सूची के पुनरीक्षण, पात्र मतदाताओं के नाम जोड़ने, केन-बेतवा लिंक परियोजना की भू-अर्जन प्रक्रिया, स्वामित्व योजना, फार्मर रजिस्ट्री, डिजिटल क्राॅप सर्वे, आयुष्मान आरोग्य योजना सहित अन्य मामलों की समीक्षा की गई।

खाद व्यवस्था को लेकर कलेक्टर ने मार्कफेड गोदामों में उपलब्धता, वितरण और शेष स्टॉक की विस्तृत जानकारी तैयार कर रिपोर्ट देने को कहा। वहीं एसआईआर कार्य में पात्र लोगों के नाम मतदाता सूची में जोड़ने के लिए कॉलेजों में शिविर लगाने के निर्देश दिए।

बैठक में जिला पंचायत सीईओ विशाल धाकड़, अपर कलेक्टर शिवप्रसाद मंडराह, संयुक्त कलेक्टर कुशल सिंह गौतम, डिप्टी कलेक्टर शुभ्रता त्रिपाठी, अंजली शर्मा और रमेश परमार सहित एसडीएम एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

देहात पुलिस के हथ्ये वृद्ध फरार स्थाई वारंटी विक्की सौर



► मुखबिर की सूचना पर दबोवा

टीकमगढ़, देशबन्धु। फरार स्थाई वारंटियों की धरपकड़ के लिए जिले में चलाए जा रहे अभियान के तहत देहात थाना पुलिस को सफलता मिली है। पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए जिला न्यायालय टीकमगढ़ से जारी स्थाई वारंट में लंबे समय से फरार चल रहे विक्की सौर को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने उसे न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करने की कार्रवाई की।

पुलिस के अनुसार पुलिस अधीक्षक सुधीर अग्रवाल के निर्देश पर जिले के सभी थाना क्षेत्रों में फरार स्थाई वारंटियों की तलाश और गिरफ्तारी के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विक्रम सिंह कुशवाहा एवं एसडीओपी राहुल कटरे के मार्गदर्शन में देहात थाना प्रभारी निरीक्षक चंद्रजीत यादव के नेतृत्व में पुलिस टीम ने वारंटी की तलाश

तेज की थी। पुलिस को लगातार तलाश के दौरान मुखबिर से वारंटी के संबंध में महत्वपूर्ण सूचना मिली। सूचना की पुष्टि के बाद पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए 42 वर्षीय विक्की सौर पिता नन्हे सौर, निवासी कारी, थाना देहात, जिला टीकमगढ़ को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार आरोपी के विरुद्ध प्रकरण क्रमांक 650/21 में जिला न्यायालय टीकमगढ़ से स्थाई वारंट जारी था। वारंट जारी होने के बाद से पुलिस उसकी तलाश में जुटी थी। मुखबिर तंत्र और पुलिस टीम के लगातार प्रयासों के बाद आखिरकार उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

गिरफ्तारी की कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक चंद्रजीत यादव, प्रधान आरक्षक सतीश शर्मा, आरक्षक मुकेश उपाध्याय और आरक्षक नीलेश ठाकुर की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस ने गिरफ्तार वारंटी को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करने की कार्रवाई की है।

सेवा संकल्प शिविर में अत्यवस्था के आरोप, घंटों घेराबंदी में बैठे रहे छात्र

► नोडल अधिकारी और प्रमुख जिम्मेदारों की गैरमौजूदगी पर उठे सवाल

बल्देवगढ़, देशबन्धु। शासन की सेवा संकल्प अभियान के तहत बल्देवगढ़ के मॉडल उच्च माध्यमिक विद्यालय में आयोजित होने वाले कार्यक्रम की व्यवस्थाओं को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। कार्यक्रम का समय दोपहर 3 बजे निर्धारित बताया गया था, लेकिन आरोप है कि करीब 40 से 50 छात्र-छात्राओं को कार्यक्रम शुरू होने के इंतजार में शाम तक घेराबंदी के भीतर ही बैठे रहना पड़ा। लंबे इंतजार के दौरान बच्चे भूख-प्यास से परेशान होते रहे और कई विद्यार्थी घर जाने के लिए व्याकुल नजर आए।

शिक्षकों और विद्यार्थियों के अनुसार, कार्यक्रम के लिए बच्चों को पहले से विद्यालय परिसर में एकत्रित कर निर्धारित स्थान पर रोके दिया गया था। इसके बाद काफी देर तक कार्यक्रम से जुड़े जिम्मेदार अधिकारी और आयोजन से जुड़े प्रमुख लोग मौके पर नहीं पहुंचे। विद्यार्थियों का कहना है कि उन्हें यह भी स्पष्ट नहीं था कि कार्यक्रम आखिर कब शुरू होगा और उन्हें कब तक

दोपहर 3 बजे निर्धारित था कार्यक्रम, करीब 4:50 बजे तक इंतजार करते रहे



वहां रुकना पड़ेगा।

आरोप है कि कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के प्राचार्य रामसफल अनुगामी भी मौके पर मौजूद नहीं थे। वहीं, सेवा संकल्प शिविर के लिए शासन स्तर से नगर पालिका बल्देवगढ़ के मुख्य नगर पालिका अधिकारी (सीएमओ) को नोडल अधिकारी बनाया गया था, लेकिन आरोप है कि वे भी निर्धारित समय पर कार्यक्रम स्थल पर मौजूद नहीं दिखाई दिए। हालांकि उनकी ओर से प्रतिनिधि के पहुंचने की बात सामने आई।

कार्यक्रम में प्रस्तावित नाट्य मंचन भी निर्धारित समय पर शुरू नहीं हो सका। विद्यार्थियों को इसी कार्यक्रम के लिए काफी देर तक रोके जाने की बात सामने आई है। इससे आयोजन की तैयारियों और व्यवस्थाओं पर सवाल उठ रहे हैं।

सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब कार्यक्रम का समय पहले से निर्धारित था और विद्यार्थियों को भी तय समय पर बुलाया गया था, तो फिर कार्यक्रम पर आयोजक, आयोजक, प्रभारी जनप्रतिनिधि और मुख्य अतिथि समय पर मौके

पर क्यों नहीं पहुंचे? यदि किसी कारण से कार्यक्रम में देरी हुई थी तो विद्यार्थियों को इसकी जानकारी क्यों नहीं दी गई?

छात्रों को घंटों इंतजार कराने की इस स्थिति को लेकर अब सेवा संकल्प अभियान की जमीनी व्यवस्थाओं पर सवाल उठ रहे हैं। स्थानीय स्तर पर मांग की जा रही है कि पूरे मामले में जिम्मेदार अधिकारियों से स्थिति स्पष्ट कराई जाए और भविष्य में विद्यार्थियों को इस तरह लंबे समय तक इंतजार न करना पड़े, इसकी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

कॉलेज में प्राध्यापकों की अनुपस्थिति पर एनएसयूआई ने मांगा जवाब

उत्कृष्ट विद्यालय के कार्यक्रम में जाने को लेकर अनुमति पर उठे सवाल, छात्र संगठन ने निष्पक्ष जांच की मांग की

टीकमगढ़, देशबन्धु। शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय टीकमगढ़ में कुछ प्राध्यापकों की अनुपस्थिति को लेकर छात्र संगठन एनएसयूआई ने कॉलेज प्रशासन से जवाब मांगा है। एनएसयूआई कार्यकर्ताओं का आरोप है कि महाविद्यालय के कुछ प्राध्यापक शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय क्रमांक-1 में आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल होने के कारण कॉलेज में उपस्थित नहीं थे। इसी को लेकर संगठन के कार्यकर्ताओं ने संबंधित प्राध्यापकों से उनकी अनुपस्थिति का कारण पूछा।

एनएसयूआई के अनुसार, पूछताछ के दौरान संबंधित प्राध्यापकों की ओर से बताया गया कि वे महाविद्यालय की प्राचार्य की अनुमति से कार्यक्रम में शामिल होने गए थे। इसके बाद जब कार्यकर्ताओं ने प्राचार्य से इस संबंध में जानकारी मांगी तो कथित तौर पर उन्हें बताया



गया कि ऐसी कोई अनुमति उनकी ओर से नहीं दी गई थी। प्राचार्य और प्राध्यापकों के कथित तौर पर अलग-अलग जवाब सामने आने के बाद एनएसयूआई ने पूरे मामले को स्पष्ट करने की मांग की है।

छात्र संगठन का कहना है कि यदि प्राध्यापकों को कार्यक्रम में जाने की अनुमति दी गई थी तो यह अनुमति किस रूप में और किन परिस्थितियों में दी गई, इसे स्पष्ट किया जाना चाहिए। वहीं, यदि अनुमति नहीं दी गई थी तो प्राध्यापक महाविद्यालय से किस आधार पर

बाहर गए, इसकी भी जांच आवश्यक है।

एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने यह भी आरोप लगाया कि जब उन्होंने प्राचार्य से इस संबंध में सवाल किए तो उन्हें प्राथमिकी दर्ज करवाने की बात कही गई। संगठन का कहना है कि विद्यार्थी महाविद्यालय की

शैक्षणिक व्यवस्था और शिक्षकों की उपलब्धता को लेकर जानकारी मांग सकते हैं तथा ऐसे सवालों का जवाब तथ्यात्मक और शांतिपूर्ण तरीके से दिया जाना चाहिए। एनएसयूआई ने मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर वास्तविक स्थिति सामने लाई जाए। संगठन ने यह भी कहा कि किसी भी बाहरी कार्यक्रम के कारण महाविद्यालय में अध्ययन-अध्यापन प्रभावित नहीं होना चाहिए और विद्यार्थियों की पढ़ाई को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

जिला अधिवक्ता संघ चुनाव का ऐलान : 3 नवंबर को होगा मतदान

12 और 13 अक्टूबर को नामांकन, 16 को अंतिम सूची होगी जारी

टीकमगढ़, देशबन्धु। जिला अधिवक्ता संघ टीकमगढ़ के निर्वाचन वर्ष 2026 के लिए निर्वाचन कार्यक्रम घोषित कर दिया गया है। निर्वाचन अधिकारी कार्यालय की ओर से जारी सूचना के अनुसार संघ के विभिन्न पदों के लिए चुनाव प्रक्रिया 5 अक्टूबर से प्रारंभ हो गई है। जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव, सह सचिव, कोषाध्यक्ष, पुस्तकालय अध्यक्ष सहित कार्यकारिणी सदस्यों के पदों के लिए निर्वाचन कराया जाएगा।



दावे एवं आपत्तियां आमंत्रित की जाएंगी। आपत्तियों एवं दावों के निराकरण के बाद 8 अक्टूबर को कोषाध्यक्ष, एक पुस्तकालय अध्यक्ष तथा पांच कार्यकारिणी सदस्य चुने जाएंगे। निर्वाचन कार्यक्रम में कोषाध्यक्ष के एक पद को महिला वर्ग के लिए आरक्षित बताया गया है, जबकि पांच कार्यकारिणी सदस्य पदों में से दो पद महिला वर्ग के लिए आरक्षित रखे गए हैं।

निर्वाचन कार्यक्रम के अनुसार 12 अक्टूबर से 13 अक्टूबर तक नाम निर्देशन पत्र जारी किए जाएंगे और जमा किए जा सकेंगे। इसके बाद 14 अक्टूबर को नाम निर्देशन पत्रों की समीक्षा की जाएगी। प्रत्याशियों को

नाम वापस लेने के लिए 15 अक्टूबर से 16 अक्टूबर तक का समय निर्धारित किया गया है। नाम वापसी की प्रक्रिया पूरी होने के बाद 16 अक्टूबर को प्रत्याशियों की सूची का प्रकाशन किया जाएगा। जिला अधिवक्ता संघ के इस निर्वाचन में एक अध्यक्ष, एक उपाध्यक्ष, एक सचिव, एक सह सचिव, एक कोषाध्यक्ष, एक पुस्तकालय अध्यक्ष तथा पांच कार्यकारिणी सदस्य चुने जाएंगे। निर्वाचन कार्यक्रम में कोषाध्यक्ष के एक पद को महिला वर्ग के लिए आरक्षित बताया गया है, जबकि पांच कार्यकारिणी सदस्य पदों में से दो पद महिला वर्ग के लिए आरक्षित रखे गए हैं।

जनगणना की तैयारियां तेज, अधिकारियों ने सीखी गणना की नई कार्यप्रणाली

► द्वितीय चरण को लेकर 2 दिवसीय प्रशिक्षण

● सुरेश कुमार चौधरी

टीकमगढ़, देशबन्धु। वर्ष 2027 में होने वाली जनगणना को लेकर प्रशासनिक तैयारियां अब जमीन पर तेज होने लगी हैं। जनसंख्या गणना के द्वितीय चरण को समयबद्ध और व्यवस्थित ढंग से पूरा करने के लिए टीकमगढ़ में जिला एवं चार्ज स्तर के अधिकारियों का दो दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में अधिकारियों को केवल गणना की प्रक्रिया ही नहीं, बल्कि आधुनिक तकनीकी व्यवस्था के जरिए काम की निगरानी, आंकड़ों की गुणवत्ता और मैदानी अमले के समन्वय की जिम्मेदारियों से भी अवगत कराया गया। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य आगामी जनगणना के दौरान जिला स्तर से लेकर मैदानी स्तर तक पूरी व्यवस्था को एकरूपता



के साथ संचालित करना रहा। अधिकारियों को बताया गया कि जनगणना जैसे व्यापक कार्य में समयसीमा के साथ-साथ प्रत्येक स्तर पर सही जानकारी का संकलन और उसकी गुणवत्ता सुनिश्चित करना बेहद महत्वपूर्ण है। इसके लिए संबंधित अधिकारियों को उनकी भूमिका और उत्तरदायित्व स्पष्ट किए गए। प्रशिक्षण में अपर कलेक्टर शिवप्रसाद मंडाह, एसडीएम टीकमगढ़ संस्कृति मुदित लटोरिया, एसडीएम बल्देवगढ़ निशांत भूरिया, जिला योजना एवं सांख्यिकी

अधिकारी रामबाबू गुप्ता सहित विभिन्न नगरीय निकायों के अधिकारी एवं जनगणना से जुड़े अधिकारी-कर्मचारी शामिल हुए। टीकमगढ़ नगर पालिका के मुख्य नगर पालिका अधिकारी ओमपाल सिंह भदौरिया, पलेरा की नगर परिषद अधिकारी शिवी उपाध्याय, खरगापुर के सिद्धांत जैन, बल्देवगढ़ के राघवेंद्र शुक्ला तथा लिथौरा के प्रतीप भदौरिया सहित संबंधित अमला प्रशिक्षण में मौजूद रहा।

प्रशिक्षण के दौरान जनगणना प्रबंधन और निगरानी के लिए निर्धारित तकनीकी प्रणाली तथा मोबाइल एप्लीकेशन के उपयोग की जानकारी दी गई। अधिकारियों को आंकड़ों की शुद्धता बनाए रखने, कार्य की प्रगति पर नजर रखने, आवश्यक रिपोर्ट तैयार करने और मैदानी स्तर से प्राप्त जानकारी की निगरानी के संबंध में भी प्रशिक्षण दिया गया।

इसके साथ ही जनगणना सामग्री के प्रबंधन, मैदानी कर्मचारियों के कार्य की निगरानी और जिला, चार्ज तथा मैदानी स्तर के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर विशेष जोर दिया गया। अधिकारियों को निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुसार कार्यवाही सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक प्रक्रियाओं से अवगत कराया गया। फरवरी 2027 में प्रस्तावित जनसंख्या गणना को देखते हुए यह प्रशिक्षण प्रशासन के लिए महत्वपूर्ण तैयारी माना जा रहा है। जनगणना का काम केवल घरों और लोगों की संख्या दर्ज करने तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि प्राप्त आंकड़ों की शुद्धता और समयबद्धता भी इसकी बड़ी कसौटी होगी। ऐसे में प्रशिक्षण के जरिए अधिकारियों को पहले से तैयार किया जा रहा है, ताकि जब मैदानी गणना शुरू हो तो जिला स्तर से लेकर गांव और वार्ड स्तर तक पूरी व्यवस्था सुचारु रूप से संचालित की जा सके।

राज्य स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता में 2 खिलाड़ियों का चयन, सागर के लिए हुए रवाना

पलेरा, देशबन्धु। राज्य स्तरीय -17 कबड्डी प्रतियोगिता में पलेरा के दो होनहार खिलाड़ियों का चयन होने पर क्षेत्र में हर्ष का माहौल है। सांदीपनि शासकीय विद्यालय के छात्र प्रिंस कुशवाहा एवं मॉडल विद्यालय के छात्र रंजीत राजपूत का राज्य स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता के लिए चयन हुआ है। दोनों खिलाड़ी प्रतियोगिता में सहभागिता करने के लिए पलेरा से सागर के लिए रवाना हुए। खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर विकासखंड शिक्षा अधिकारी राजेश गुप्ता, विकासखंड स्नोत समन्वयक पुष्पेंद्र पाठक, सांदीपनि विद्यालय के प्राचार्य महेश रावत, मॉडल विद्यालय के प्राचार्य कौशल राजपूत, विकासखंड खेल प्रभारी शैलेंद्र सिंह राय, खेल प्रभारी सांदीपनि राम सिंह राजपूत, खेल शिक्षिका श्रीमती गोमती खटीक, श्रीमती प्रियंका खटीक, सहित शिक्षक अनिल कुमार मिश्रा, रमेश पाल, गौरीशंकर यादव, मंगल सिंह, खंड लीडर रामकुमार नायक, गफफार खान, महेंद्र सिंह आदि ने खिलाड़ियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। सभी ने खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि दोनों खिलाड़ी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर पलेरा एवं अपने विद्यालय का नाम रोशन करेंगे। पलेरा के लिए यह गौरव का क्षण है। दोनों खिलाड़ियों को उज्ज्वल भविष्य एवं शानदार प्रदर्शन के लिए हार्दिक शुभकामनाएं!



दुनिया के मैदान में तिरंगा लहराने वाली बेटी कांति गौड़ एक्सीलेंस स्कूल में जोरदार स्वागत, बोलीं

बेटियों में प्रतिभा की कमी नहीं है, जरूरत है उन्हें अवसर और परिवार का विश्वास देने की

टीकमगढ़, देशबन्धु। कभी गांव की गलियों में टेनिस बॉल से लड़कों के साथ क्रिकेट खेलने वाली एक छोटी-सी बच्ची के पास न क्रिकेट के जूते थे और न ही खेलने की पूरी किट। लोगों के ताने भी मिले और संसाधनों की कमी भी सामने आई, लेकिन परिवार का भरोसा और सपनों की उड़ान इतनी मजबूत थी कि वही बच्ची आज भारतीय महिला क्रिकेट टीम का हिस्सा बनकर दुनिया के बड़े क्रिकेट मैदानों पर तिरंगा लहरा रही है। यह कहानी है छतरपुर जिले के छोटे से गांव घुवारा की बेटी क्रांति गौड़ की।

सोमवार को टीकमगढ़ के एक्सीलेंस स्कूल में पहुंची भारतीय महिला क्रिकेट की स्टार तेज गेंदबाज क्रांति गौड़ का स्कूल परिवार ने गर्मजोशी के साथ अभिनंदन किया। विद्यार्थियों के बीच पहुंची क्रांति ने अपने संघर्ष और क्रिकेट के सफर की कहानी



साझा करते हुए खास तौर पर छात्राओं से कहा कि सपने देखने में किसी तरह की झिझक नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि बुंदेलखंड की बेटियों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है, जरूरत केवल उन्हें अवसर और परिवार का विश्वास देने की है। क्रांति ने कहा कि आज भी बुंदेलखंड के कई परिवारों में बेटियों को खेल के मैदान से दूर रखकर उन्हें केवल घरेलू जिम्मेदारियों तक सीमित रखने की सोच दिखाई देती है। समय बदल

चुका है। बेटियां खेल, शिक्षा और हर क्षेत्र में बेटों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़ रही हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को यह भी संदेश दिया कि माता-पिता जिस भरोसे के साथ बच्चों के सपनों को पूरा करने में साथ देते हैं, बच्चों की जिम्मेदारी है कि वे अपनी मेहनत और उपलब्धियों से उनका सिर गर्व से ऊंचा करें।

मां ने गहने बेचे, भाई ने हौसला दिया – क्रांति गौड़ का क्रिकेट सफर

पाकिस्तान के रिवलाफ दमदार प्रदर्शन से लेकर लॉर्ड्स में इतिहास तक – दाएं हाथ की तेज गेंदबाज क्रांति ने भारतीय टीम के लिए कई यादगार प्रदर्शन किए हैं। महिला वनडे विश्व कप में पाकिस्तान के खिलाफ उन्होंने शानदार गेंदबाजी करते हुए 10 ओवर में केवल 20 रन देकर तीन विकेट हासिल किए और प्लेयर ऑफ द मैच का सम्मान अपने नाम किया। जुलाई 2026 में इंग्लैंड के खिलाफ ऐतिहासिक लॉर्ड्स मैदान पर उनका प्रदर्शन क्रिकेट इतिहास में दर्ज हो गया। क्रांति ने 17 ओवर में महज 37 रन खर्च कर पांच विकेट झटकें और लॉर्ड्स के मैदान पर पांच विकेट लेने वाली पहली महिला क्रिकेटर बनने का गौरव हासिल किया।

किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं है। पुलिस में प्रधान आरक्षक पिता मुन्ना सिंह के परिवार में छह भाई-बहनों में सबसे छोटी क्रांति ने सीमित संसाधनों के बीच क्रिकेट की शुरुआत की। बचपन में क्रिकेट खेलने के लिए जरूरी सामान तक उपलब्ध नहीं था। गांव में लड़कों के साथ टेनिस बॉल से क्रिकेट खेलते-खेलते उनके भीतर तेज गेंदबाजी का जुनून पैदा हुआ। समाज के कुछ लोगों ने ताने भी

दिए, लेकिन मां और भाई मर्याद ने क्रांति के सपनों को कमजोर नहीं पड़ने दिया। हालात ऐसे आए कि बेटी के क्रिकेट सपने को आगे बढ़ाने के लिए मां को अपने गहने तक बेचने पड़े। परिवार के इसी त्याग ने क्रांति के हौसले को और मजबूत किया। महज 14 वर्ष की उम्र में जब उन्होंने पहली बार लेदर बॉल हाथ में थामी, तो इसके बाद उनका क्रिकेट सफर लगातार नई ऊंचाइयों की ओर बढ़ता चला गया।



नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री



डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री

सीएम यूथ कॉन्क्लेव 2026

युवा सोच, नये अवसर, एक साझा मंच

प्रख्यात गायक
जुबिन नौटियाल
एवं कबीर कैफे बैंड
द्वारा
भव्य लाइव प्रस्तुति
प्रातः 10:00 बजे

डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश
के साथ

6 अक्टूबर, 2026 | पूर्वाह्न 11:00 बजे
लाल परेड ग्राउंड, भोपाल

**70+ स्टॉल, 15 विभागों
की संयुक्त भागीदारी**

युवाओं को अवसर, कौशल,
रोज़गार, नवाचार एवं
संभावनाओं से जोड़ने हेतु
समर्पित मंच

स्टार्टअप एवं उद्यमिता

युवा उद्यमियों के
फार्मास्युटिकल, मैनुफैक्चरिंग,
AI/मशीन लर्निंग और फूड
प्रोसेसिंग जैसे क्षेत्रों के स्टार्टअप्स
की सहभागिता एवं प्रस्तुति

युवा नवाचार एवं प्रदर्शनी

AI, साइबर सिक्योरिटी, ड्रोन
टेक्नोलॉजी, विज्ञान एवं
नवाचार, कृषि क्षेत्र में रोज़गार,
फ्यूचर रेडी एजुकेशन और
टेक्नोलॉजी पर केन्द्रित

**सार्वजनिक एवं निजी
विश्वविद्यालयों की
सहभागिता**

विश्वविद्यालयों द्वारा कैरियर
मार्गदर्शन, नवाचार, उद्यमिता,
तकनीकी शिक्षा एवं रोज़गार के
अवसरों की जानकारी

**कैरियर एवं कौशल के
अवसर**

कौशल विकास, कैरियर
मार्गदर्शन और रोज़गार से जुड़ी
जानकारी एक ही स्थान पर

**शासकीय योजनाओं की
जानकारी**

पात्रता, पंजीयन, आवेदन
प्रक्रिया, प्रशिक्षण और उपलब्ध
सुविधाओं से संबंधित स्टॉल



सीधा

प्रसारण

f @Cmmadhyapradesh
@jansampark.madhyapradesh

x @Cmmadhyapradesh
@jansamparkMP

YouTube JansamparkMP